मांगलिक पत्रिका

संवत् : 2081

सन् : 2024-25

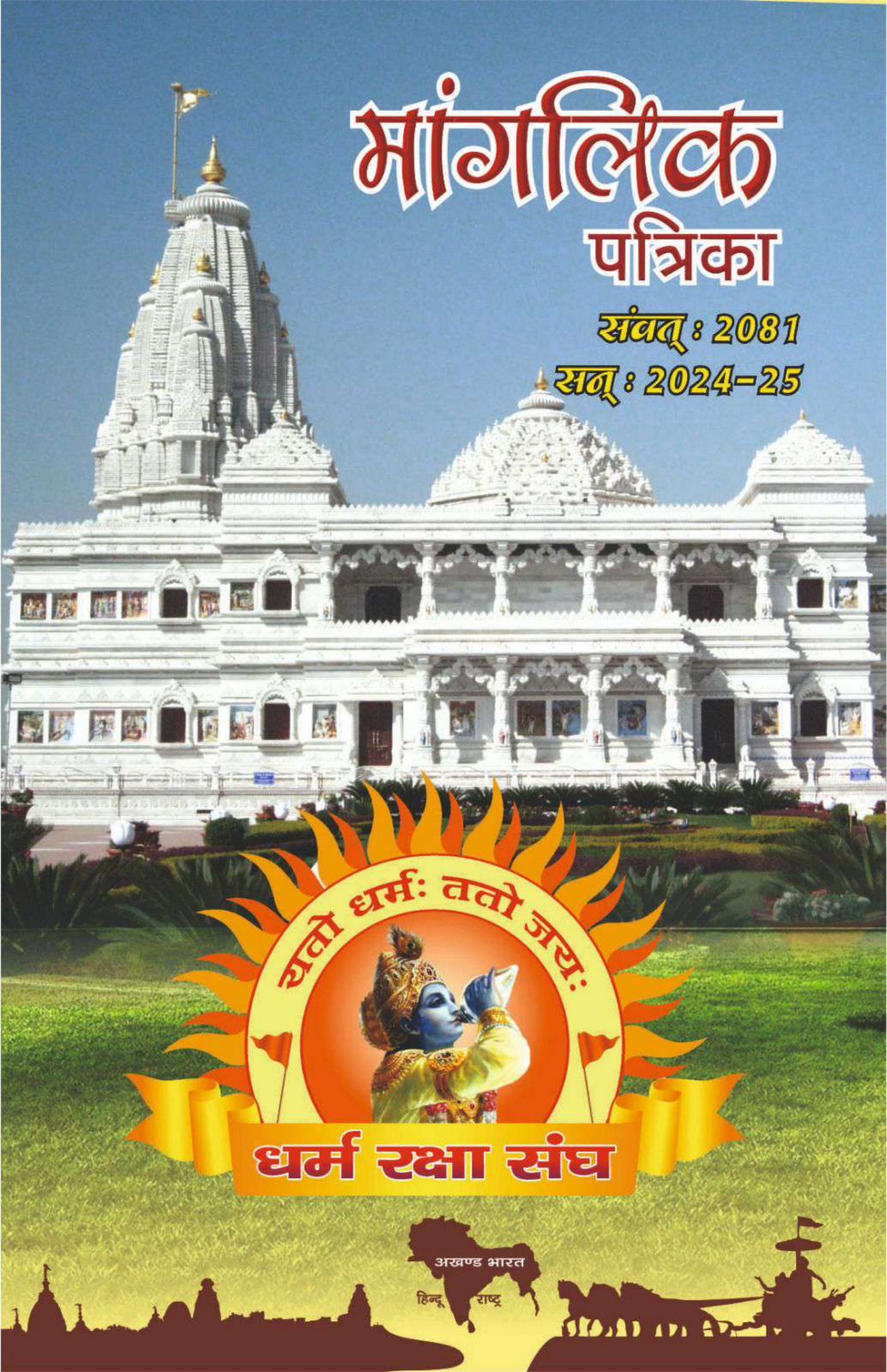

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय, लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय, गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते॥

राजा मंगल

कालयुक्त नामक सम्वत्सर

विक्रम सम्वत् - २०८१ (2081)

मन्त्री शनि

(तदनुसार 9 अप्रैल 2024 से 29 मार्च 2025 तक)

सृष्टि संवत्-1955885125, श्रीकृष्णावतार- 5250, युगाब्द(कल्कि संवत्)-5125
निम्बार्काब्द-5020-21, बौद्ध संवत्-2566, जैन संवत्-2550-51, शक संवत् (शाके)-1946
बंगला संवत्-1431-32, हिजरी-1445-46, रामानुजाब्द-1008, नानक शाही संवत्-566
बल्लभाब्द-546-47, हिताब्द-549, हरिदासाब्द-545-546

प्रधान सम्पादक:
श्रीमती ब्रजवाला गौड़
58, लक्ष्मी निकुंज, कानपुर कोठी
रमणरेती, वृन्दावन-281121 (मथुरा) उ. प्र.
मो. 9837890790, 7017325990

सम्पादक:
श्री ब्रजेश पाठक
117-118, विश्व लक्ष्मी नगर
निकट गोवर्धन चौराह, मथुरा
मो. 9415084550

निःशुल्क

पत्रिका प्राप्ति स्थान

श्रीजगदीश शर्मा 'गुरुजी'
चित्रा स्टूडियो
बनखण्डी महादेव
वृन्दावन
मो. 9897595700

पी.के. एण्ड पी.के.
ज्वैलर्स प्रा.लि.
जी.एम. सर्राफ काम्प्लैक्स
तिलक द्वार, मथुरा
मो.9412281238

धर्म रक्षा संघ

प्रकाशक

धर्म रक्षा संघ
श्रीधाम वृन्दावन-281121 (उ. प्र.)

धर्म रक्षा

राष्ट्र रक्षा

विषय	पृ. सं.
मांगलिक उद्‌गार	3
प्रातः स्मरणीय श्लोक	6
राशियों का वार्षिक फल	8
सम्वत्सरफल	10
पर्व त्यौहार एवं अवकाश	12
वार्षिक पञ्चाङ्ग प्रारम्भ	13
एकादशी व्रत, प्रदोष व्रत	37
संक्रान्ति, चतुर्थी, पूर्णिमा, अमावस्या	38
दशावतार जयन्ती	38
श्रीगणेश-महालक्ष्मी पूजन	39
ग्रहण विवरण	40
कुम्भ महापर्व के प्रमुख स्नान	40
रवि एवं गुरु-पुष्यामृत योग	41
ज्वालामुखी अशुभ योग	41
गुरु शुक्र तारा/गुरु-शुक्रास्त में वर्जित	42
गण्डमूल नक्षत्र फल विचार	42
गण्डमूल एवं पंचक प्रारंभ/समाप्ति काल	43
विविध मुहूर्त	44
दिन एवं रात्रि का चौघड़िया	46
वार्षिक चौघड़िया समय सारिणी	47
राहू काल	48
क्या है राहू काल ?	49
यात्रा प्रकरण दिशाशूल ज्ञानार्थ चक्रम्	49
नवग्रहों के दान, मन्त्र एवं जाप आदि	50
नवग्रह साधना समाधान सूत्रावलि	51
शिववासज्ञान, सर्वांक सिद्धियोग	52
चन्द्रमा एवं नक्षत्र से पाया विचार	52
व्यवसाय में सफलता/परीक्षा में जाने के समय	52
नवग्रह शान्ति के सरल उपाय	53
महत्त्वपूर्ण बातें	54
पूजन के अंग	55
किस माला से करें जाप	55
आसन का महत्व	56
तिलक का महत्व	56
कैसे करें नवरात्रि पूजन	57
सप्तवारों की व्रत-विधि	58
सुन्दर काण्ड	59

विषय	पृ. सं.
चमत्कारी मंगल	59
तुलसी का माहात्म्य	60
नामकरण	60
प्रदक्षिणा	60
सनातन धर्म में पत्तों का महत्व	61
कार्तिक मास या दामोदर मास का महत्व	62
द्वादश ज्योर्तिलिंग	62
हनुमान जी के द्वादश नाम	63
विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा	63
तिलक	64
आरती क्यों और कैसे ?	64
अचूक उपाय	64
धर्म क्या है ?	65
सफलता प्राप्ति के उपाय	66
वास्तु - एक दृष्टि में	67
अंग फड़कने के फल	68
अंग पर तिलों के फल	68
स्वप्न-शकुन का फल विचार	69
आरती	71
श्रीगणेशजी की आरती	71
श्रीजगदीश जी की आरती	72
श्रीलक्ष्मीजी की आरती	72
श्रीशंकर जी की आरती	72
श्रीअम्बा जी की आरती	73
श्रीजगदम्बे जी की आरती	73
श्रीराधारानीजी की आरती	73
श्रीहनुमानजी की आरती	74
श्रीखाटूश्यामजी की आरती	74
श्रीसत्यनारायण जी की आरती	74
श्रीगिरिधर की आरती	75
श्रीबालकृष्ण की आरती	75
श्रीभागवत भगवान की आरती	76
श्रीभागवतमहापुराण की आरती	76
श्रीश्यामाजी की आरती	77
श्रीरामजी की स्तुति	77
मन्त्र पुष्पाञ्जलि	78
धर्म रक्षा संघ : परिचय एवं उद्देश्य	79
प्रमुख मन्दिरों के दर्शन का समय	80

मांगलिक उद्‌गार

वसुदेवसुतं देवं, कंसचाणूरमर्दनम्।
देवकीपरमानन्दं, कृष्णं वन्दे जगद्‌गुरुम्॥

आप सभी के हृदय में स्थित नारायण को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए मांगलिक पत्रिका का 21वाँ अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है। **"धर्मो रक्षति रक्षतः"** में विश्वास करने वाली संस्कृति हमारी धार्मिक दृढ़ता को आस्था में परिवर्तित करती है। धर्म का सरल, सुगम बाह्य अंग है कर्मकाण्ड। हमारे जीवन के दैनिक कार्यों व विशेष कार्यों का सम्पादन- ग्रह-गोचर, मुहूर्त, पर्व-तिथि उत्सव के अनुरूप ही इसकी सहायता के लिए वर्षभर की कालगणना और उसकी स्थिति का लेखा-जोखा इस मांगलिक पत्रिका के रूप में आपके सम्मुख आता है। जिसमें ग्रह और उनकी स्थितियाँ, उनका हमारे जीवन पर पड़ने वाला प्रभाव, विशेष घटनाओं के संकेत, सभी का ज्ञान और अनुपालन हमारे लिए आवश्यक है। साथ ही एकादशी, प्रदोष, उपयोगी मन्त्र, महत्वपूर्ण पूजा-विधान, विविध मुहूर्त, राहूकाल, भद्राकाल, राशिफल, दैनिक जीवनोपयोगी सरल सहज उपाय, विविध पूजा कर्म की सरल विधि साथ ही अन्य दैनिक उपयोगी, सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक सामग्री व समस्याओं का सरलतम स्वरूप में समाधान भी पुस्तक में संगृहीत है, जिसे सामान्य पाठक भी समझने में पूर्ण सक्षम होगा।

इस संसार में प्राणियों के समस्त सुख-दुःख ग्रहों के आधीन हैं। कर्मफल देने वाले ग्रह रूप अवतार मुख्य हैं, इनमें सूर्य से राम, चन्द्रमा से कृष्ण, मंगल से नरसिंह, बुध से बुध, गुरु से वामन, शुक्र से परशुराम, शनि से कूर्म, राहू से वराह और केतू से मस्त्य अवतार हुए हैं। ग्रहों के अल्पांश से ही मनुष्यादि प्राणियों की उत्पत्ति हुई है। आकाश में जितने तारे दिखते हैं उनमें से कुछ को नक्षत्र और कुछ को ग्रह कहते हैं। 12 राशियाँ हैं। ग्रह जब नक्षत्रों में घूमते हुए 12 राशियों को पार करते हैं तो उनके गुणों का प्रभाव समस्त सृष्टि पर पड़ता है, जिससे मानव जीवन भी प्रभावित होता है। इन प्रभावों को ज्योतिष द्वारा ही स्पष्ट रूप से जाना जा सकता है। इसलिए ज्योतिष और कर्मकाण्ड का महत्व आज पूरे विश्व में बढ़ा है।

पत्रिका की इन्हीं उपादेयता के कारण पाठकों को वर्षभर व्यग्रता से इसकी प्रतीक्षा रहती है। इस पत्रिका की 10000 प्रतियाँ ब्रज मण्डल ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत एवं विश्व के अनेक देशों में सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करती हैं। पत्रिका की वार्षिक तत्थात्मक पञ्चाङ्ग सामग्री सुप्रसिद्ध विद्वान् याज्ञिकरत्न **मंगलमूर्ति आचार्य पं. श्रीराजेश पाण्डेय जी** की देन है। उनकी सहज उदारता ने हमें विशेष उपकृत किया है, एतदर्थ उन्हें हृदय से साधुवाद। **धर्म रक्षा संघ** के उन सभी पदाधिकारियों, कार्यकत्ताओं एवं विज्ञापनदाताओं के भी हम विशेष आभारी हैं जिनके सहयोग और प्रयास से यह मांगलिक पत्रिका जनसामान्य तक सुगमता से **निःशुल्क** पहुँच रही है।

अन्त में 'सर्वजनहिताय सर्वजनसुखाय' वाली संस्कृति के अनुगामी होने के कारण मेरी यही अभिलाषा है -

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित् दुःखभाग्भवेत्॥

मैं उन सभी शुभचिन्तकों को भी नमन करती हूँ, जिनकी मंगलकामनाओं ने हमारे विश्वास को दृढ़ किया। आपकी उपयोगी सलाह एवं सुझाव का सदैव स्वागत है।

जय श्रीराधे!

(श्रीमती) ब्रजवाला गौड़
सम्पादक
मो. 9837890790

अप्रैल-2024

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	1 सप्तमी	2 अष्टमी	3 नवमी	4 दशमी	5 एकादशी	6 द्वादशी
7 त्रयोदशी	8 अमावस्या	9 प्रतिपदा	10 द्वितीया	11 तृतीया	12 चतुर्थी	13 पंचमी
14 षष्ठी	15 सप्तमी	16 अष्टमी	17 नवमी	18 दशमी	19 एकादशी	20 द्वादशी
21 त्रयोदशी	22 चतुर्दशी	23 पूर्णिमा	24 प्रतिपदा	25 प्रतिपदा	26 द्वितीया	27 तृतीया
28 चतुर्थी	29 पंचमी	30 षष्ठी				

मई-2024

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
			1 सप्तमी	2 नवमी	3 दशमी	4 एकादशी
5 द्वादशी	6 त्रयोदशी	7 चतुर्दशी	8 अमावस्या	9 प्रतिपदा	10 तृतीया	11 चतुर्थी
12 पंचमी	13 षष्ठी	14 सप्तमी	15 अष्टमी	16 अष्टमी	17 नवमी	18 दशमी
19 एकादशी	20 द्वादशी	21 त्रयोदशी	22 चतुर्दशी	23 पूर्णिमा	24 प्रतिपदा	25 द्वितीया
26 तृतीया	27 चतुर्थी	28 पंचमी	29 षष्ठी	30 सप्तमी	31 अष्टमी	

जून-2024

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
						1 नवमी
2 एकादशी	3 द्वादशी	4 त्रयोदशी	5 चतुर्दशी	6 अमावस्या	7 प्रतिपदा	8 द्वितीया
9 तृतीया	10 चतुर्थी	11 पंचमी	12 षष्ठी	13 सप्तमी	14 अष्टमी	15 नवमी
16 दशमी	17 एकादशी	18 एकादशी	19 द्वादशी	20 त्रयोदशी	21 चतुर्दशी	22 पूर्णिमा
23 द्वितीया	24 तृतीया	25 चतुर्थी	26 पंचमी	27 षष्ठी	28 सप्तमी	29 अष्टमी
30 नवमी						

जुलाई-2024

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	1 दशमी	2 एकादशी	3 द्वादशी	4 त्रयोदशी	5 अमावस्या	6 प्रतिपदा
7 द्वितीया	8 तृतीया	9 तृतीया	10 चतुर्थी	11 पंचमी	12 षष्ठी	13 सप्तमी
14 अष्टमी	15 नवमी	16 दशमी	17 एकादशी	18 द्वादशी	19 त्रयोदशी	20 चतुर्दशी
21 पूर्णिमा	22 प्रतिपदा	23 द्वितीया	24 तृतीया	25 पंचमी	26 षष्ठी	27 सप्तमी
28 अष्टमी	29 नवमी	30 दशमी	31 एकादशी			

अगस्त-2024

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
				1 द्वादशी	2 त्रयोदशी	3 चतुर्दशी
4 अमावस्या	5 प्रतिपदा	6 द्वितीया	7 तृतीया	8 चतुर्थी	9 पंचमी	10 षष्ठी
11 सप्तमी	12 सप्तमी	13 अष्टमी	14 नवमी	15 दशमी	16 एकादशी	17 द्वादशी
18 चतुर्दशी	19 पूर्णिमा	20 प्रतिपदा	21 द्वितीया	22 तृतीया	23 चतुर्थी	24 पंचमी
25 सप्तमी	26 अष्टमी	27 नवमी	28 दशमी	29 एकादशी	30 द्वादशी	31 त्रयोदशी

सितम्बर-2024

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1 चतुर्दशी	2 अमावस्या	3 अमावस्या	4 प्रतिपदा	5 द्वितीया	6 तृतीया	7 चतुर्थी
8 पंचमी	9 षष्ठी	10 सप्तमी	11 अष्टमी	12 नवमी	13 दशमी	14 एकादशी
15 द्वादशी	16 त्रयोदशी	17 चतुर्दशी	18 पूर्णिमा	19 द्वितीया	20 तृतीया	21 चतुर्थी
22 पंचमी	23 षष्ठी	24 सप्तमी	25 अष्टमी	26 नवमी	27 दशमी	28 एकादशी
29 द्वादशी	30 त्रयोदशी					

अक्टूबर-2024

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
		1 चतुर्दशी	2 अमावस्या	3 प्रतिपदा	4 द्वितीया	5 तृतीया
6 तृतीया	7 चतुर्थी	8 पंचमी	9 षष्ठी	10 सप्तमी	11 अष्टमी	12 नवमी
13 दशमी	14 एकादशी	15 त्रयोदशी	16 चतुर्दशी	17 पूर्णिमा	18 प्रतिपदा	19 द्वितीया
20 तृतीया	21 पंचमी	22 षष्ठी	23 सप्तमी	24 अष्टमी	25 नवमी	26 दशमी
27 एकादशी	28 एकादशी	29 द्वादशी	30 त्रयोदशी	31 चतुर्दशी		

नवम्बर-2024

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
					1 अमावस्या	2 प्रतिपदा
3 द्वितीया	4 तृतीया	5 चतुर्थी	6 पंचमी	7 षष्ठी	8 सप्तमी	9 अष्टमी
10 नवमी	11 दशमी	12 एकादशी	13 द्वादशी	14 त्रयोदशी	15 पूर्णिमा	16 प्रतिपदा
17 द्वितीया	18 तृतीया	19 चतुर्थी	20 पंचमी	21 षष्ठी	22 सप्तमी	23 अष्टमी
24 नवमी	25 दशमी	26 एकादशी	27 द्वादशी	28 त्रयोदशी	29 त्रयोदशी	30 चतुर्दशी

दिसम्बर-2024

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1 अमावस्या	2 प्रतिपदा	3 द्वितीया	4 तृतीया	5 चतुर्थी	6 पंचमी	7 षष्ठी
8 सप्तमी	9 अष्टमी	10 दशमी	11 एकादशी	12 द्वादशी	13 त्रयोदशी	14 चतुर्दशी
15 पूर्णिमा	16 प्रतिपदा	17 द्वितीया	18 तृतीया	19 चतुर्थी	20 पंचमी	21 षष्ठी
22 सप्तमी	23 अष्टमी	24 नवमी	25 दशमी	26 एकादशी	27 द्वादशी	28 त्रयोदशी
29 चतुर्दशी	30 अमावस्या	31 प्रतिपदा				

जनवरी-2025

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
			1 द्वितीया	2 तृतीया	3 चतुर्थी	4 पंचमी
5 षष्ठी	6 सप्तमी	7 अष्टमी	8 नवमी	9 दशमी	10 एकादशी	11 द्वादशी
12 चतुर्दशी	13 पूर्णिमा	14 प्रतिपदा	15 द्वितीया	16 तृतीया	17 चतुर्थी	18 पंचमी
19 पंचमी	20 षष्ठी	21 सप्तमी	22 अष्टमी	23 नवमी	24 दशमी	25 एकादशी
26 द्वादशी	27 त्रयोदशी	28 चतुर्दशी	29 अमावस्या	30 प्रतिपदा	31 द्वितीया	

फरवरी-2025

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
						1 तृतीया
2 चतुर्थी	3 षष्ठी	4 सप्तमी	5 अष्टमी	6 नवमी	7 दशमी	8 एकादशी
9 द्वादशी	10 त्रयोदशी	11 चतुर्दशी	12 पूर्णिमा	13 प्रतिपदा	14 द्वितीया	15 तृतीया
16 चतुर्थी	17 पंचमी	18 षष्ठी	19 षष्ठी	20 सप्तमी	21 अष्टमी	22 नवमी
23 दशमी	24 एकादशी	25 द्वादशी	26 त्रयोदशी	27 चतुर्दशी	28 प्रतिपदा	

मार्च-2025

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
						1 द्वितीया
2 तृतीया	3 चतुर्थी	4 पंचमी	5 षष्ठी	6 सप्तमी	7 अष्टमी	8 नवमी
9 दशमी	10 एकादशी	11 द्वादशी	12 त्रयोदशी	13 चतुर्दशी	14 पूर्णिमा	15 प्रतिपदा
16 द्वितीया	17 तृतीया	18 चतुर्थी	19 पंचमी	20 षष्ठी	21 सप्तमी	22 अष्टमी
23 नवमी	24 दशमी	25 एकादशी	26 द्वादशी	27 त्रयोदशी	28 चतुर्दशी	29 अमावस्या
30	31					

प्रातः स्मरणीय

!! हरिः ॐ तत्सत्परमात्मने नमः!!

। देवं नन्दनन्दनं वंदे।

बोधवचनानि	बोधदायक वचन	बोधवचनानि	बोधदायक वचन
1. सत्यं वद।	सत्य बोलो।	5. आचार्यदेवो भव।	आचार्य को देव मानो।
2. धर्मं चर।	धर्म का आचरण करो।	6. अतिथिदेवो भव।	अतिथि को देव मानो।
3. मातृदेवो भव।	माता को देव मानो।	7. स्वाध्यायान्मा प्रमदः।	स्वाध्याय में प्रमाद मत करो।
4. पितृदेवो भव।	पिता को देव मानो।	8. श्रद्धया देयम्।	श्रद्धा से दो।

करदर्शनम्

कराग्रे वसते लक्ष्मी करमध्ये च सरस्वती ।
करमूले तु गोविन्द, प्रभाते करदर्शनम् ॥1॥

पृथ्वी का वंदन

समुद्रवसने देवि! पर्वतस्तनमण्डले।
विष्णुपत्नि! नमस्तुभ्यं पादस्पर्शं क्षमस्व मे॥2॥

जगद्गुरु श्रीकृष्ण की वन्दना

वसुदेवसुतं देवं, कंसचाणूरमर्दनम्।
देवकीपरमानन्दं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्॥3॥

माधव का वन्दन

मूकं करोति वाचालं, पंगुं लंघयते गिरिम्।
यत्कृपा तमहं वंदे, परमानन्दमाधवम्॥4॥

देवियों को प्रणाम

नमो देव्यै महादेव्यै, शिवायै सततं नमः।
नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्म ताम् ॥5॥

पुण्यश्लोक

पुण्यश्लोको नलो राजा, पुण्यश्लोको युधिष्ठिरः।
पुण्यश्लोको च वैदेही पुण्यश्लोको जनार्दनः॥6॥

सात चिरंजीवी

अश्वत्थामा बलिर्व्यासो, हनुमांश्च विभीषणः।
कृपः परशुरामश्च, सप्तै ते चिरजीविनः॥7॥

पाँच सतियाँ

अहल्या द्रौपदी कुन्ती, तारा मंदोदरी तथा।
पंच नामस्मरेन्नित्यं, महापातकनाशनम्॥8॥

सात मोक्षपुरियाँ

अयोध्या मथुरा माया, काशी काँची अवंतिका।
पुरी द्वारावती चैव, सप्तैता मोक्षदायिकाः॥9॥

नारायण का वन्दन

नारायणं निराकारं नरवीरं नरोत्तमम् ।
नृसिंह नागनाथं च तं वन्दे नरकान्तकम्॥10॥

रघुनंदन राम का वंदन

राघवं रामचन्द्रं च रावणारिं रमापतिम्।
राजीवलोचनं रामं तं वन्दे रघुनन्दनम्॥11॥

सुप्रभात में शुभ अर्चना

ब्रह्मा मुरारिस्त्रिपुरान्तकारी
भानुः शशी भूमिसुतो बुधश्च।
गुरुश्च शुक्रः शनिराहुकेतवः
कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम् ॥12॥

गुरू को नमस्कार

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुर्गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात्परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥13॥

तुलसी माता को नमस्कार

तुलसी, श्रीसखि शिवे पापहारिणि पुण्यदे।
नमस्ते नारदनुते नमो नारायणप्रिये॥14॥

गायों में वास की कामना

गावो मे अग्रतः सन्तु गावो मे सन्तु पृष्ठतः।
गावो मे हृदये सन्तु गवां मध्ये वसाम्यहम्॥15॥

नंदी गाय को नमस्कार

पंच गावः समुत्पन्नः मध्यमाने महार्णवे।
तासां मध्ये तुयानंदा तस्यै देव्यै नमो नमः॥16॥

पीपल को नमस्कार

मूलतो ब्रह्मरूपाय मध्यतो विष्णुरूपिणे ।
अग्रतः शिवरूपाय अश्वत्थाय नमो नमः॥17॥

मंगल करने वाले हरि

सर्वदा सर्वकार्येषु नास्ति तेषाममंगलम् ।
येषां हृदिस्थो भगवान् मंगलायतनो हरिः॥18॥

लक्ष्मीपति का नित्य स्मरण

तदेव लग्नं सुदिनं तदेव ताराबलं चंद्रबलं तदेव।
विद्याबलंदैवबलंतदेव लक्ष्मीपतेतेऽङ्घ्रियुगंस्मरामि॥19॥

जय प्राप्ति

लाभस्तेषां जयस्तेषां कुतस्तेषां पराजयः।
येषामिन्दीवरश्यामो हृदयस्थो जनार्दनः॥20॥

सात देवता-देवियों को प्रणाम

विनायकं गुरूं भानुं ब्रह्माविष्णुमहेश्वरान्।
सरस्वतीं प्रणम्यादौ सर्वकार्यार्थसिद्धये॥21॥

गणपति को नमस्कार

अभीप्सितार्थसिद्ध्यर्थं पूजितो यः सुरासुरैः।
सर्वविघ्नहरस्तस्मै गणाधिपतये नमः॥22॥

त्रिमूर्ति की प्रार्थना

सर्वेष्वारम्भकार्येषु त्रयस्त्रिभुवनेश्वरः।
देवा दिशन्तु नः सिद्धिं ब्रह्मेशानजनार्दनाः॥23॥

सात नदियों आवाहन

गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती।
नर्मदे सिंधु कावेरी जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु॥24॥

गंगाजी को नमस्कार

नमामि गंगे ! तव पादपंकजम्,
सुरासुरैर्वन्दितदिव्यरूपम्।
भुक्तिं च मुक्तिं च ददासि नित्यं
भावानुसारेण सदा नराणाम्॥25॥

सूर्य नमस्कार

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्कर।
दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोऽस्तुते॥26॥

भोजन-मन्त्र

ब्रह्मार्पणं ब्रह्म हविः ब्रह्माग्नौ ब्रह्मणा हुतम्।
ब्रह्मैव तेन गन्तव्यं, ब्रह्म कर्म समाधिना॥27॥

दीप दानमन्त्र

दीप ज्योतिः परब्रह्म, दीप ज्योति जनार्दनः।
दीपो हरतु मे पापं, दीप ज्योति नमोऽस्तुते॥28॥

क्लेश-नाशकमंत्र

कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने।
प्रणत क्लेशनाशाय गोविन्दाय नमो नमः॥29॥

बाधानाशक मन्त्र

सर्वाबाधा प्रशमनं, त्रैलोक्यस्याऽखिलेश्वरी।
एवमेव त्वया कार्य, मस्मद्वैरिविनाशनम्॥30॥

सन्तान प्राप्ति मन्त्र

देवकीसुत गोविन्द वासुदेव जगत्पते।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गतः॥31॥

विद्या-मन्त्र

सरस्वति महाभागे, वरदे कामरूपिणी।
विश्वरूपि विशालाक्षी, हे विद्या परमेश्वरी॥32॥

रोग-नाशक मन्त्र

अच्युत अनंत गोविन्द नाम उच्चारण भेषजात्।
नश्यन्ति सकला रोगाः सत्यं सत्यं वदाम्यहम्॥33॥

॥ सं. 2081 में राशियों का वार्षिक फल ॥

मेष— चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

मेष राशि वालों के लिए यह वर्ष संघर्षपूर्ण होगा। सामाजिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियाँ आयेंगी। अस्थि-उदर एवं नेत्र सम्बन्धित रोग हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में धन की बचत की ओर ध्यान देना चाहिए। अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है। सम्पत्ति क्रय-विक्रय के लिए यह वर्ष शुभ है। कार्य क्षेत्र में परिश्रम करने पर भी उस अनुपात में फल प्राप्त नहीं होगा। सहयोगी जनों से मतभेद उभर सकते हैं। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। मानसिक उतार-चढ़ाव के कारण मन में दुविधा बनी रहेगी। व्यापार में लाभ होगा। 1, 4, 6 मास कष्टदायक होंगे।

वृष— इ, उ, ए, ओ, वा, वि, वू, वे, वो

वृष राशि वालों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। आकस्मिक रूप से पारिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। दैनिक जीवन में भाग-दौड़ एवं व्यवस्तता बनी रहेगी। नौकरी पेशा वालों का दायित्व बढ़ेगा। व्यापारियों को कारोबार में कुछ उलझनों का सामना करना पड़ेगा। समाज में उच्च पद पर प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ सम्पर्क बढ़ेंगे। व्यापाम में रुचि रखने से स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक क्षेत्रों में किये गये प्रयासों से सफलता प्राप्त होगी। वाहन-मकान आदि सम्पत्ति खरीदने की योजना बनेगी। प्रेम सम्बन्धों में सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन में कटुता आयेगी। कटुता से बचने के लिए चने की दाल तथा केले का दान करना चाहिए। 3, 4, 8 मास कष्टदायक रहेंगे।

मिथुन— का, की, कू, घ, ड़, छ, के, को, ह(क्ष)

मिथुन राशि वालों के लिए यह वर्ष सामान्य शुभदायक रहेगा। रुके हुए कार्य बनने की सम्भावना है। शत्रु पक्ष से सावधान रहने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानी बढ़ सकती है। उदर विकार सम्बन्धित परेशानियाँ बढ़ सकती हैं। इष्ट मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष जल्दबाजी का कोई निर्णय परेशानी में डाल सकता है। धन के लेन-देन में सावधानी बरतनी चाहिए। शिक्षा से जुड़े लोगों की उन्नति के योग हैं। कृषि क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों को लाभ की सम्भावना है। नौकरी पेशा वाले लोगों की उन्नति होगी। दाम्पत्य जीवन में कटुता आयेगी। बाल-बच्चों की उन्नति होगी। माता-पिता का स्वास्थ्य बाधायुक्त रहेगा। 3, 5, 12 मास कष्टदायक रहेंगे।

कर्क— ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कर्क राशि वालों के लिए यह वर्ष कष्टदायक रहेगा। **शनि की ढैया** होने के कारण इस वर्ष परिश्रम के अनुरूप फल नहीं मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। परिवार में आपसी मतभेद रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में रुकावट आयेगी तथा स्थान परिवर्तन से परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। शारीरिक एवं मानसिक कष्ट से व्यर्थ की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। किसी निकटतम व्यक्ति से सावधान रहने की आवश्यकता है। वाहन से चोट-चपेट की सम्भावना रहेगी। जीवनसाथी से मतभेद रहेगा। पारिवारिक कलह से मन खिन्न रहेगा। घर में मांगलिक कार्यों से आकस्मिक धन-व्यय होगा। मिथ्या अपवाद का भय बना रहेगा। सफेद वस्तु का दान करें। 2, 3, 11 मास कष्टदायक रहेंगे।

सिंह— मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

सिंह राशि वालों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। अष्टमस्थ का राहु स्वास्थ्य बाधा देगा। मानसिक व्यथा एवं शारीरिक पीड़ा होगी। परिवार में मांगलिक कृत्य सम्पन्न होंगे। परिवार में आपसी क्लेश से मन व्यथित रहेगा। व्यापार में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी भी कार्य की सोच-विचारकर करना उत्तम होगा। बाल-बच्चों की उन्नति होगी। माता-पिता को तीर्थ यात्रा का अवसर प्राप्त होगा। नौकरी पेशा वालों को पद वृद्धि का अवसर प्राप्त होगा। कृषि कार्य से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। विद्यार्थी वर्ग अच्छा परिश्रम करके सफल होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। वर्षान्त में कोर्ट-कचहरी के कार्यों में सफलता मिलेगी। 2, 5, 11 मास कष्टदायक रहेंगे।

कन्या— टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो, (प्र)

कन्या राशि वालों के लिए यह वर्ष सामान्य शुभदायक रहेगा। मान-सम्मान तथा धन की प्राप्ति होगी। विदेश यात्रा के योग हैं। किसी विशेष परिस्थिति में स्थान परिवर्तन हो सकता है। परिवार में धार्मिक कृत्य सम्पन्न होंगे। संतान के विषय में शुभ सूचना प्राप्त होगी। मित्रों से सहयोग मिलेगा। पुराने रोगों से मुक्ति मिलेगी। शुभ कार्यों में आवश्यकता से अधिक धन व्यय होगा। कोर्ट-कचहरी के कार्यों में धन-व्यय होगा, परन्तु सफलता मिलेगी। बन्धु-बान्धवों से विवाद हो सकता है। संतान प्राप्ति के योग हैं। माता-पिता को कष्ट होगा। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। कृषि कार्य से जुड़े लोगों के लिए यह वर्ष अच्छा है। नौकरी पेशा वालों को शुभ समाचार प्राप्त होंगे। विद्यार्थी वर्ग सफल होंगे। 2, 4, 12 मास कष्टदायक रहेंगे।

तुला— रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते (त्र)

तुला राशि वालों के लिए यह वर्ष सामान्य शुभदायक रहेगा। व्यापारिक सम्बन्ध अच्छे होंगे, परन्तु व्यापारिक लेन-देन में सावधानी रखनी चाहिए। परिवार में व्यर्थ के विवाद से मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। किसी मध्यस्थ के द्वारा जमीनी लेन-देन में हानि संभव है। व्यर्थ की यात्रा से कष्ट होगा। रक्तचाप की अनदेखी से स्वास्थ्य की परेशानी बढ़ सकती है। सामान्य अवरोधों तथा अड़चनों के मध्य लाभ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यापार और नौकरी में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। मन व्यथित रहेगा। विवाद से पद हानि की संभावना रहेगी। चोरी तथा अग्निकाण्ड की घटनायें घटित होंगी। मांगलिक कार्यों में देरी होगी। दाम्पत्य जीवन बाधित होगा। सन्तान को सफलता मिलेगी। वर्ष के उत्तरार्द्ध का समय अच्छा रहेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। 1, 2, 9 मास कष्टदायक रहेंगे।

वृश्चिक— तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

वृश्चिक राशि वालों के लिए इस वर्ष **शनि की ढैय्या** का प्रभाव रहेगा। मन अज्ञात कारणों से अथवा मिथ्या अपवाद के भय से आशंकित रहेगा। खान-पान में अधिकता से बचना चाहिए। पत्नी को पीड़ा होगी। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद उभरेंगे। किसी अपमान जनक स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। आर्थिक स्थिति निर्बल होगी। कार्यस्थल अथवा कार्यभार में परिवर्तन के योग हैं। विरोधियों का वर्चस्व रहेगा। मन अशान्त रहेगा। दुर्घटनाओं के प्रति सावधान रहना चाहिए। दाम्पत्य जीवन में कटुता तथा सन्तान से मतभेद से मन खिन्न रहेगा। निरर्थक यात्रा का योग है। भूमि-भवन के मामले सुलझने में समय व्यतीत होगा। जमीन का क्रय-विक्रय हो सकता है। विद्यार्थियों को मेहनत करने पर सफलता मिलेगी। 2, 10,12 कष्टदायक रहेंगे।

धनु— ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे (धी, फू)

धनुराशि वालों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। सन्तान पक्ष की ओर से शुभ समाचार प्राप्त होगा। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। भू-सम्पत्ति के वाद-विवाद बढ़ेंगे। प्रारम्भ में रोजगार में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। किसी नये कार्य का श्रीगणेश होगा। सरकारी कार्यों में बाधायें आयेंगी। माता-पिता का स्वास्थ्य बाधायुक्त रहेगा। धार्मिक कार्य सम्पन्न होंगे। कृषि कार्य से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिलेगा। विद्यार्थीगण को सफलता मिलेगी। रोगों से मुक्ति मिलेगी। मैत्रीपूर्ण वातावरण भंग होगा। पत्नी को पीड़ा होगी। दूरस्थ स्थानों की यात्रा होगी। नौकरी में कियी नये पदभार का अवसर मिलेगा। वर्ष के उत्तरार्ध में कोर्ट-कचहरी के कार्यों में सफलता मिलेगी। 8, 9, 11 मास कष्टदायक रहेंगे।

मकर— भो, ज, जी, जू, जो, खा, खी, खू, खे, खो, गा, गी (ज़)

मकरराशि वालों को **शनि की साढ़ेसाती** का प्रभाव रहेगा। मानसिक तनाव रहेगा। हर कार्य में अवरोध उत्पन्न होगा। कफ जनित कष्ट होगा। दाम्पत्य जीवन में तनाव रहेगा। किसी अपमानजनक स्थिति का सामना करना पड़ेगा। स्वास्थ्य बाधायुक्त होगा। आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। जीवन यापन के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। चोरी तथा अग्निकाण्ड से धन की हानि होगी। मांगलिक कार्यों में देरी संभव है। मिथ्या अपवाद में वातावरण में मन अशान्त रहेगा। वाहन से चोट-चपेट की सम्भावना रहेगी। खान-पान में अति से बचना चाहिए। भगवान शिव की आराधना करते रहें। कोर्ट-कचहरी के मामलों में देरी सम्भव है। हनुमान जी को सिन्दूर सात शनिवार लेपन करना चाहिए। 4,9,12 मास कष्टदायक रहेंगे।

कुम्भ— गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

कुम्भ राशि वालों को **शनि की साढ़ेसाती** का प्रभाव मध्यम रहेगा। सरकारी कार्यों में बाधा के बाद सफलता मिलेगी। व्यर्थ के कार्यों में समय नष्ट होगा। मतभेद तथा वाद-विवाद अधिक होंगे। पत्नी को पीड़ा होगी। बाल-बच्चों की उन्नति होगी। किसी विपत्ति का सामना करना पड़ेगा। चोरों तस्करों से हानि होगी। राजकीय भय बना रहेगा। उत्तरार्ध में कार्यों में सफलता मिलेगी। पदोन्नति होगी। कारोबार में सफलता मिलेगी। भूमि-भवन के मामलों में मामूली सफलता मिलेगी। मन में आलस्य के कारण कई कार्य बिगड़ सकते हैं। विरोधियों का वर्चस्व बढ़ेगा। अज्ञात कारणों से भय बना रहेगा। सुन्दरकाण्ड का पाठ तथा हनुमान जी का दर्शन करना चाहिए। 2,4, 10 मास कष्टदायक रहेंगे।

मीन— दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, च, ची

इस वर्ष मीनराशि वालों को चढ़ती **साढ़ेसाती** का प्रभाव सामान्य रहेगा। घरेलू वातावरण में उदासीनता रहेगी। शासन सत्ता का भय रहेगा। किसी प्रिय वस्तु की हानि होगी। व्यापार में उतार-चढ़ाव के बाद सफलता मिलेगी। काम के बोझ से मानसिक तनाव रहेगा। अधिकारियों से वैचारिक मतभेद होंगे। पत्नी का स्वास्थ्य बाधायुक्त रहेगा। कोठ नई योजना बनेगी। किसी उचित निर्णय को लेने से सफलता मिलेगी। बहुमूल्य धातुओं के रख-रखाव में लापरवाही न करें। किसी निकट सम्बन्धी का निधन सम्भव है। भूमि-भवन का क्रय-विक्रय होगा। वाहन खरीदने का भी योग है। व्यर्थ के वाद-विवाद में समय व्यतीत न करें। कृषि क्षेत्र एवं शिक्षा में अच्छी सफलता मिलेगी। वर्ष के उत्तरार्ध में आर्थिक लाभ होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। हनुमान चालीसा का नित्य पाठ करना चाहिए। 1, 9, 12 मास कष्टदायक रहेंगे।

संवत्सर फल

इस वर्ष प्रारम्भ में **कालयुक्त** नामक संवत्सर रहेगा। इस वर्ष के **राजा मंगल तथा मंत्री शनि** हैं। राजा तथा मंत्री परस्पर मधुर सम्बन्ध नहीं है। अत: शासकों में मतभेद की स्थिति बनी रहेगी। **जगल्लग्न के विचार से** लग्नेश गुरु सूर्य के साथ पंच भाग में शनि से दृष्ट है। भारत के पड़ौसी पहाड़ी देशों और अमेरिका के किसी प्रान्त में प्राकृतिक आपदा से जन-धन हानि होगी। चतुर्थ भाव में बुध नीच शुक्र उच्चस्थ राहु के साथ होने से भारत के कुछ स्थानों में आतंकी घटनाओं से हानि होगी। पंचम भाव में सूर्य उच्चस्थ है, शनि की अशुभ दृष्टि से विश्व का राजनैतिक वातावरण संघर्षपूर्ण रहेगा। यूरोपीय देशों में मुद्रा अवमूल्यन के कारण आर्थिक मंदी का वातावरण रहेगा।

कहीं असामाजिक एवं आतंकी गतिविधियों के कारण कहीं बाड़, कहीं भूकम्प, समुद्री तूफान, भूस्खलन आदि प्राकृतिक प्रकोप से जन-धन की हानि होगी। **वर्ष लग्न के अनुसार** सूर्य, चन्द्र, राहू से ग्रहण योग में हैं। अत: विश्व की नियम नीतियों का बार-बार उल्लंघन होगा। गुरु पर शनि की दृष्टि होने के कारण पूर्वोत्तर भागों में प्राकृतिक विपत्तियाँ पैदा होंगी। विश्व व्यापार परिवर्तन बनकर सुधार होने पर भी अनेक राष्ट्रों में मँहगाई बेरोजगारी की समस्याऐं रहेंगी। देश की वैज्ञानिक और ज्ञान प्रतिभा का विश्व पर प्रभाव पड़ेगा। दशम भाव में राहु सूर्य के प्रभाव से कुछ राष्ट्र प्रदेशों में सत्ता परिवर्तन विघटन आदि के योग हैं। **आर्द्रा प्रवेशाङ्ग** के विचार से आर्द्रा का प्रवेश कर्क लग्न में हो रहा है। सूर्य के साथ बुध शुक्र होने से वर्षा काल में अधिकांश भागों में वर्षा सामान्य होगी। उत्तर दक्षिणी भागों में सामान्य से अधिक वर्षा होगी। पश्चिय वायव्य कोण में वर्षा अच्छी होगी। वर्षा से कृषि की क्षति हो सकती है। ईशान कोण में वर्षा अधिक होगी। नैऋत्य में अति असमान्य वर्षा होगी। **शारदधान्य विचार से** लग्न धनु है। स्वामी षष्ठ भाव में सूर्य के साथ है। अत: शारदीय फसल की उत्पत्ति प्रर्याप्त होगी। कुछ भागों में प्राकृतिक प्रकोप से कृषि की हानि होगी। **ग्रैष्मिकधान्य** के विचार से लग्न मिथुन लग्नेश षष्ठ भाग रोगभाव में होने से फसलों से रोग से नुकसान होगा। फिर भी ग्रीष्म कालीन कृषि में उत्पत्ति अच्छी एवं पर्याप्त होगी।

॥ जय श्रीराधे ॥

कृष्णा परिधान

शोरूम एवं बुटीक

आकर्षक संग्रह

प्रो. श्रीमती ब्रजबाला गौड़

उचित मूल्य

- ★ कुर्ती ★ सूट
- ★ दुपट्टा ★लैगिंग
- ★ डिजाइनर साड़ी ★ गोपी ड्रेस
- ★ पार्टी ड्रेस ★ ओढ़ना (चुनरी)
- ★ चादर – दोहर ★ पर्स – बैग
- ★ धोती कुर्ता ★ पूजा सामग्री – शृंगार
- ★ डेकोरेटिव आइटम एवं अन्य

किसी भी प्रकार की इण्डियन या वैस्टर्न डिजाइन में
लेडीज़ गाउन, सूट, ब्लाउज आदि सिलाई की उत्तम व्यवस्था

Stitching Facility by Expert Tailors

58, लक्ष्मी निकुंज, कानपुर कोठी, रमणरेती, वृन्दावन–281121 (मथुरा)
(निकट इस्कॉन गौशाला एमवीटी साइड)

Mob. 9837890790, 7017325990

पर्व, त्यौहार एवं अवकाश

सरकारी छुट्टियाँ एवं प्रमुख पर्व दिन सं. 2081

(9 अप्रैल 2024 से 29 मार्च 2025 ई. तक)

★ नवरात्र प्रारम्भ, श्रीगौतम जयंती	9 अप्रैल मंगल	★ विजयादशमी दशहरा	12 अक्टू. शनि
★ गणगौरपूजन	11 अप्रैल गुरु	★ शरद्पूर्णिमा,	16 अक्टू. बुध
★ डा. अम्बेडकर जंयती	14 अप्रैल रवि	★ बाल्मीकि जयंती	17 अक्टू. बुध
★ रामनवमी व्रतोत्सव	17 अप्रैल बुध	★ करवाचौथ व्रत	20 अक्टू. रवि
★ श्रीमहावीर जयंती जैन वैशाखी	21 अप्रैल रवि	★ अहोई अष्टमी ब्रत	24 अक्टू. गुरु
★ हनुमज्जयंती, चैत्रीपूर्णिमा	23 अप्रैल मंगल	★ धनतेरस	30 अक्टू. बुध
★ मईडे, श्रमिकदिवस	1 मई बुध	★ दीपावली	1 नवम्बर शुक्र
★ अक्षय तृतीया/परशुराम ज0	10 मई शुक्र	★ अन्नकूट गोवर्धन पूजा	2 नवम्बर शनि
★ श्री बुद्धपूर्णिमा	23 मई गुरु	★ भईयादूज (टीका)	3 नवम्बर रवि
★ बटसावित्री व्रत शनि जयन्ती	6 जून गुरु	★ छठपूजा (बिहार)	7 नवम्बर गुरु
★ श्रीगंगादशहरा	16 जून रवि	★ प्रबोधिनीएकादशी (देवउठान)	12 नव. मंगल
★ ईदुल जुहा (बकरीद)	17 जून सोम	★ गुरूनानक ज. कार्तिकीपूर्णिमा	15 नव. शुक्र
★ रथयात्रा जगन्नाथपुरी	7 जुलाई रवि	★ क्रिसमडे (बड़ादिन)	25 दिस. बुध
★ मोहर्रम (ताजिया)	17 जुलाई बुध	★ अंग्रेजी नववर्षारम्भ 2024	1 जन. बुध
★ गुरु पूर्णिमा	21 जुलाई रवि	★ सकट चौथ व्रत	17 जन. शुक्र
★ नागपंचमी (राज बंगाल)	25 जुलाई गुरु	★ लोहड़ी (पं)	13 जन. सोम
★ हरियाली अमावस्या	4 अगस्त रवि	★ मकर संक्रान्ति	14 जन. मंगल
★ हरियालीतीज	7 अगस्त बुध	★ 75 वाँ गणतंत्र दिवस	26 जन. रवि
★ 77 वां स्वतन्त्रता दिवस	15 अगस्त गुरु	★ वंसतपंचमी, श्रीसरस्वती पूजन	2 फर. रवि
★ रक्षा-बन्धन (राखी)	19 अगस्त सोम	★ माघी पूर्णिमा	12 फर. बुध
★ श्रीकृष्णजन्माष्टमी	26 अगस्त सोम	★ महा शिवरात्रिव्रत	26 फर. बुध
★ श्रीगणेश जन्मोत्सव	7 सित. शनि	★ बरसाना होली	8 मार्च शनि
★ श्रीविश्वकर्मा पूजा	17 सित. मंगल	★ नन्दगाँव होली	9 मार्च रवि
★ श्रीराधाष्टमी, श्रीहरिदास जयंती	11 सित. बुध	★ वृन्दावन होली प्रारंभ	10 मार्च सोम
★ गाँधी ज0/पित्र अमावस्या	2 अक्टू. बुध	★ होलिकादहन	13 मार्च गुरु
★ शारदीय नवरात्र प्रारम्भ	3 अक्टू. गुरु	★ धुलैण्डी	14 मार्च शुक्र
★ श्री दुर्गाष्टमी महाष्टमी	11 अक्टू. शुक्र	★ संवत् समाप्त श्रीरस्तु:	29 मार्च शनि

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

9 अप्रैल से 23 अप्रैल

चैत्र शुक्ल पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

वसन्त ऋतु **(रवि उत्तरायणे)**

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
9	मंगल	प्रतिपदा	20:30	रेवती परंअश्विनी	07:31 29.05	मे.07.31	06:05	06:36	**नवरात्रारम्भ, कलश स्थापन,** गौतम जयंती,स.सि.अ.सि.यो. 07:09 से, पंचक समाप्त 07:31
10	बुध	द्वितीया	17:32	भरणी	27:05	मेष	06:04	06:36	स.सि.यो. 27:05 से, झूलेलाल जं0, चन्द्र दर्शन
11	गुरु	तृतीया	15:03	कृतिका	25:37	वृ.08:43	06:03	06:37	भ.26:07 सेगणगौर पूजन, **श्रीमत्स्य ज.**
12	शुक्र	चतुर्थी	13:11	रोहिणी	24:50	वृष	06:02	06:37	भ. 13:11 तक, रोहिणी व्रत
13	शनि	पंचमी	12:04	मृगशिरा	24:48	मि.12:49	06:01	06:38	श्री पंचमी, श्री राम जन्मोत्सव आरम्भ, मेष मेंसूर्य 21:05, ह्यव्रत पंचमी
14	रवि	षष्ठी	11:43	आर्द्रा	25:34	मिथुन	06:00	06:38	स्कन्द षष्ठी
15	सोम	सप्तमी	12:11	पुनर्वसु	27:04	क.20:42	05:59	06:39	भ. 12:11 से 24:47 तक, स.सि. यो. 27:04 से
16	मंगल	अष्टमी	13:23	पुष्य	29:15	कर्क	05:58	06:40	स.सि.यो. 29:15 से, दुर्गाष्टमी व्रत
17	बुध	नवमी	15:14	अश्लेषा	सम्पूर्ण	कर्क	05:57	06:41	**श्रीरामनवमी**, नवरात्र सम्पन्न, **स्थापना दिवस धर्म रक्षा संघ**
18	गुरु	दशमी	17:31	अश्लेषा	07:56	सिं07:56	05:56	06:41	धर्मराज दशमी
19	शुक्र	एकादशी	20:04	मघा	10:56	सिंह	05:55	06:41	भ. 06:47 से 20:04 तक कामदा (फूलडोल) एकादशी व्रत सर्वेषां, ग्रीष्म ऋतु प्रा0
20	शनि	द्वादशी	22:41	पू.फा.	14:03	क.20:49	05:54	06:42	हरिदमनोत्सव
21	रवि	त्रयोदशी	25:11	उ.फा.	17:07	कन्या	05:53	06:42	प्रदोष व्रत, **श्री महावीर जयंती,** स.सि.अ.सि.ओ. 17:07 से
22	सोम	चतुर्दशी	27:25	हस्त	19:59	कन्या	05:52	06:43	भ. 27:25 से
23	मंगल	पूर्णिमा	29:18	चित्रा	22:31	तु. 9:15	05:51	06:43	भ. 16:21 तक चैत्री पूर्णिमा, **हनुमान जन्मोत्सव**

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल **चैत्र शुक्ल पक्ष**

9 अप्रैल (मंगलवार) – **गुड़ी पड़वा नव संवत्सर**
14 अप्रैल (रविवार) – **यमुना षष्ठी**
16 अप्रैल (मंगलवार) – **देवी मेला नरी सेमरी कात्यायनी वृन्दावन मेला**
17 अप्रैल (बुधवार) – **श्री राम नवमी, स्थापना दिवस धर्म रक्षा संघ**
23 अप्रैल (मंगलवार) – **श्री रंगनाथ व चतुर्भुजी लक्ष्मी विवाहोत्सव रंगनाथ, छप्पन भोग द्वारिकाधीश मथुरा, हनुमान जन्मोत्सव**

श्रीसम्वत् 2081 | शाके 1946 | सन् 2024 ई.

24 अप्रैल से 8 मई

वैशाख कृष्ण पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

ग्रीष्म ऋतु | (रवि उत्तरायणे)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
24	बुध	प्रतिपदा	सम्पूर्ण	स्वाति	24:40	तुला	05:50	06:44	–
25	गुरु	प्रतिपदा	06:45	विशाखा	26:23	वृ.19:57	05:49	06:45	स.सि.यो. 26:23 से
26	शुक्र	द्वितीया	07:46	अनुराधा	27:39	वृश्चिक	05:48	06:45	भ. 20:02 से स.सि.यो. 27:39 तक
27	शनि	तृतीया	08:18	ज्येष्ठा	28:27	ध.28:27	05:47	06:46	भ. 08:18 तक, चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 22:19
28	रवि	चतुर्थी	08:21	मूल	28:48	धनु	05:46	06:47	स.सि.यो. 28:48 तक, **शुक्रास्त पूर्व** 07:10
29	सोम	पंचमी	07:57	पू.षा.	28:41	धनु	05:46	06:47	**अगस्त तारा अस्त**
30	मंगल	षष्ठी	07:05	उ.षा.	28:08	म.10:33	05:45	06:48	भ. 07:05 से 18:25 तक
1	बुध	सप्तमी परं	05:46	श्रवण	27:10	मकर	05:45	06:48	कालाष्टमी व्रत, शीतला पूजा
0	बुध	अष्टमी	28:01	0	0	0	0	0	अष्ठमी क्षय:
2	गुरु	नवमी	25:52	धनिष्ठा	25:48	कु.14:29	05:44	06:49	पंचक प्रारम्भ 14:29, चण्डिका नवमी
3	शुक्र	दशमी	23:24	शतभिषा	24:05	कुंभ	05:43	06:49	भ. 12:38 से 23:24 तक
4	शनि	एकादशी	20:38	पू.भा.	22:06	मी.16:36	05:43	06:50	वरूथिनी एकादशी व्रत (सर्वेषां), **श्री वल्लभाचार्य जयंती**
5	रवि	द्वादशी	17:41	उ.भा.	19:56	मीन	05:42	06:50	प्रदोष व्रत, स.सि.यो. 19:56 तक
6	सोम	त्रयोदशी	14:40	रेवती	17:42	मे.17:42	05:41	06:51	भ. 14:40 से 25:10 तक, पंचक स.17:42
7	मंगल	चतुर्दशी	11:40	अश्विनी	15:31	मेष	05:40	06:51	पितृकार्येऽमावश्या, **पश्चिमास्त गुरु अस्त** 16:10, स.सि.अ.सि.यो. 15:31 तक
8	बुध	अमावस्या	08:51	भरणी	13:33	वृ.19:08	05:40	06:52	देवकार्ये अमावस्या, श्रीशुकदेव मुनि ज., स.सि.यो. 13:33 से

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल वैशाख कृष्ण पक्ष

कलियुग के पाँच स्थान

द्यूत	=	झूठ (असत्य)
मद्यपान	=	मद
स्त्रीसंग	=	काम (आसक्ति)
हिंसा	=	वैर (निर्दयता)
सुवर्ण (धन)	=	रजोगुण

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

9 मई से 23 मई

ग्रीष्म ऋतु

वैशाख शुक्ल पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

(रवि उत्तरायणे)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
9	गुरु	प्रतिपदा परं	06:21	कृतिका	11:54	वृष	05:39	06:52	ऋषि पाराशर जयंती, रोहिणी व्रत, चन्द्र दर्शन
0	गुरु	द्वितीया	28:17	0	0	0	0	0	द्वितीया क्षय:
10	शुक्र	तृतीया	26:50	रोहिणी	10:46	मि.22:30	05:39	06:53	**अक्षय तृतीया, श्री परशुराम जयन्ती**
11	शनि	चतुर्थी	26:03	मृगशिरा	10:14	मिथुन	05:38	06:54	भ. 14:26 से 26:03 तक
12	रवि	पंचमी	26:03	आर्द्रा	10:26	क.29:09	05:37	06:54	**आद्य शंकराचार्य जयंती, श्रीसूरदास जयंती**
13	सोम	षष्ठी	26:50	पुनर्वसु	11:23	कर्क	05:36	06:55	श्रीरामानुजाचार्य जयंती (उ0भारत), स.सि.ओ. 11:23 से
14	मंगल	सप्तमी	28:19	पुष्य	13:04	कर्क	05:36	06:56	भ. 28:19 से , **श्रीगंगा सप्तमी**, वृष में सूर्य 17:54 स.सि.ओ. 13:04 से
15	बुध	अष्टमी	सम्पूर्ण	अश्लेषा	15:24	सिं.15:24	05:35	06:56	भ.17:20 तक,**बगुलामुखी जयंती**
16	गुरु	अष्टमी	06:22	मघा	18:13	सिंह	05:35	06:57	श्री जानकी नवमी
17	शुक्र	नवमी	08:48	पू.फा.	21:17	क.28:03	05:34	06:57	–
18	शनि	दशमी	11:22	उ.फा.	24:22	कन्या	05:34	06:58	भ. 24:36 से
19	रवि	एकादशी	13:50	हस्त	27:15	कन्या	05:33	06:56	भ.13:50 तक मोहिनी एकादशी व्रत,
20	सोम	द्वादशी	15:58	चित्रा	सम्पूर्ण	तु.16:30	05:33	06:59	**हितोत्सव** स.सि.अ.सि.यो. 27:15 सोम प्रदोष व्रत **श्री नृसिंह जयंती**
21	मंगल	त्रयोदशी	17:39	चित्रा	05:45	तुला	05:32	06:59	भ. 18:47 से, श्री कूर्म जयंती
22	बुध	चतुर्दशी	18:47	स्वाति	07:46	वृ.26:52	05:32	07:00	भ. 07:04 तक, वैशाखी पूर्णिमा स.सि.यो. 09:14 से, बुध जयंती

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल **वैशाख शुक्ल पक्ष**

10 मई (शुक्रवार) – **चन्दनयात्रा, जल कुम्भदान, श्री द्वारिकाधीशजी, मथुरा, अक्षय तृतीया, श्री बिहारीजी चरण दर्शन**

15 मई (बुधवार) – **श्रीजी मन्दिर 4 दिन चाव सवारी, राधावल्लभ, वृन्दावन**

19 मई (रविवार) – **श्रीहित हरिवंशचन्द्र महाप्रभू जन्म उत्सव, राधावल्लभ, वृन्दावन**

21 मई (मंगलवार) – **श्रीनिम्बार्क तप:स्थली पर श्रीनिम्बार्कराधाकृष्णबिहारीजी का 36वां पाटोत्सव, श्री नृसिंह जयन्ती**

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

24 मई से 6 जून

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

ग्रीष्म ऋतु **(रवि उत्तरायणे)**

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
24	शुक्र	प्रतिपदा	19:24	अनुराधा	10:09	वृश्चिक	5:31	7:01	स.सि.यो. 10:09 तक, छठि उत्सव राधावल्लभ मन्दिर
25	शनि	द्वितीया	18:58	ज्येष्ठा	10:35	ध.10:35	5:31	7:02	श्रीनारद जयंती, वन विहार परिक्रमा, वृन्दावन
26	रवि	तृतीया	18:06	मूल	10:35	धनु	5:30	7:02	भ. 06:32 से 18:06 तक, चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 22:09, स.सि.यो. 10:35 तक
27	सोम	चतुर्थी	16:53	पू.षा.	10:13	म.16:03	5:30	7:03	–
28	मंगल	पंचमी	15:23	उ.षा.	09:32	मकर	5:29	7:03	महाप्रभु जी का दष्टोन
29	बुध	षष्ठी	13:39	श्रवण	08:37	कु.20:03	5:29	7:04	भ. 13:39 से 24:41 तक पंचक प्रा. 20:03
30	गुरु	सप्तमी	11:43	धनिष्ठा	07:30	कुंभ	5:29	7:04	कालाष्टमी व्रत
31	शुक्र	अष्टमी	09:38	शतभिषा परंपू.भा.	06:13 28:47	मी.23:09	5:29	7:04	–
1	शनि	नवमी परं	07:24	उ.भा.	27:15	मीन	05:29	7:05	भ. 18:14 से 29:04 तक
0	शनि	दशमी	29:04	0	0	0	0	0	दशमी क्षय:
2	रवि	एकादशी	26:41	रेवती	25:39	मे.25:39	5:29	7:06	पंचक स. 25:39, अपरा एकादशी व्रत स्मार्त्त, गुरु उदय पूर्व 08:11, स.सि.यो. 25:39 से
3	सोम	द्वादशी	24:18	अश्विनी	24:04	मेष	5:29	7:06	अपरा एकादशी व्रत निम्बार्क
4	मंगल	त्रयोदशी	22:00	भरणी	22:34	वृ.28:14	5:28	7:07	भ. 22:00 से, स.सि.यो. 22:34 से, भौम प्रदोष व्रत, सावित्री व्रत आरम्भ
5	बुध	चतुर्दशी	19:54	कृतिका	21:15	वृष	5:28	7:07	भ. 08:57 तक स.सि.यो. (श्री शशिमोहन दास जी तिरोभाव)
6	गुरु	अमावस्या	18:07	रोहिणी	20:15	वृष	5:28	7:08	वट् सावित्री, रोहिणी व्रत, अमावस्या, शनि जयंती

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

सबसे सहज-सरल-सात्विक-सुन्दर-सत्संग

घर में बैठकर नाम संकीर्तन,

नाम-जप, नाम-लेखन और ग्रन्थ पठन करें।

'कलौ केशव कीर्तनात्'

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

7 जून से 22 जून

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

ग्रीष्म ऋतु (रवि उत्तरायणे)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
7	शुक्र	प्रतिपदा	16:45	मृगशिरा	19:42	मि.7:58	05:28	07:08	दशाश्वमेघ घाट स्नानारम्भ काशी, चन्द्र दर्शन
8	शनि	द्वितीया	15:55	आर्द्रा	19:41	मिथुन	05:28	07:09	रम्भातीज व्रत
9	रवि	तृतीया	15:44	पुनर्वसु	20:19	क.14:10	05:28	07:09	भ. 27:59 से स.सि.यो. 20:19 से
10	सोम	चतुर्थी	16:14	पुष्य	21:39	कर्क	05:28	07:09	भ. 16:14 तक स.सि.यो. 21:39 तक
11	मंगल	पंचमी	17:27	अश्लेषा	23:38	सिं.23:38	05:28	07:10	स.सि.यो. 23:38 तक
12	बुध	षष्ठी	19:16	मघा	26:11	सिंह	05:28	07:10	अरण्य षष्ठी
13	गुरु	सप्तमी	21:33	पू.फा.	29:07	सिंह	05:28	07:11	भ. 21:33 से, बड़ पूजा
14	शुक्र	अष्टमी	24:03	उ.फा.	सम्पूर्ण	क.11:53	05:28	07:11	भ. 10:48 तक, मिथुन में सूर्य 24:27
15	शनि	नवमी	26:32	उ.फा.	08:13	कन्या	05:28	07:11	श्री महेश नवमी
16	रवि	दशमी	28:43	हस्त	11:12	तु.24:30	05:28	07:12	**गंगा दशहरा**, स.सि.यो. 11:12 तक, बटुक भैरव जयंती
17	सोम	एकादशी	सम्पूर्ण	चित्रा	13:49	तुला	05:28	07:12	भ. 17:33 से, निर्जला एकादशी व्रत (स्मार्त्त)
18	मंगल	एकादशी	06:24	स्वाति	15:55	तुला	05:28	07:12	भ. 6:24 तक, निर्जला एकादशी व्रत (निम्बार्क)
19	बुध	द्वादशी	07:28	विशाखा	17:22	वृ.11:00	05:29	07:13	प्रदोष व्रत, स.सि.यो.अ.सि.यो. 17:22 से
20	गुरु	त्रयोदशी	07:49	अनुराधा	18:09	वृश्चिक	05:29	07:13	वर्षा ऋतु प्रा., रवि दक्षिणायणे स. सि.यो. 18:09 तक
21	शुक्र	चतुर्दशी	07:31	ज्येष्ठा	18:18	ध.18:18	05:29	07:13	भ. 07:31 से 19:04 तक, सत्य व्रत पूर्णिमा, वट सावित्री व्रत पूर्ण
22	शनि	पूर्णिमा	06:37	मूल	17:53	धनु	05:29	07:13	**संत कबीर जं., श्रीजगन्नाथ यात्रारम्भ**

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष

मनुष्य का वही जन्म, वही कर्म, वही आयु, वही मन और वही वाणी सफल है जिसके द्वारा सर्वात्मा सर्वेश्वर श्रीहरि का सेवन किया जाता है।

श्रीसम्वत् 2081 | शाके 1946 | सन् 2024 ई.

23 जून से 5 जुलाई

आषाढ़ कृष्ण पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

वर्षा ऋतु | (रवि दक्षिणायने)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
0	शनि	प्रतिपदा	29:13	0	0	0	0	0	प्रतिपदा क्षय:
23	रवि	द्वितीया	27:25	पू.षा.	17:03	म.22:45	05:30	07:13	स.सि.यो. 17:33 से
24	सोम	तृतीया	25:23	उ.षा.	15:53	मकर	05:30	07:14	भ. 14:24 से 25:23 तक, स.सि. यो. 15:53 से
25	मंगल	चतुर्थी	23:11	श्रवण	14:32	कु.25:48	05:30	07:14	पंचक प्रा. 25:48 से, चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 22:26
26	बुध	पंचमी	20:55	धनिष्ठा	13:04	कुम्भ	05:30	07:14	–
27	गुरु	षष्ठी	18:39	शतभिषा	11:36	मी.28:32	05:31	07:14	भ. 18:39 से
28	शुक्र	सप्तमी	16:27	पू.भा.	10:10	मीन	05:31	07:14	भ. 05:33 तक, कालाष्टमी व्रत
29	शनि	अष्टमी	14:19	उ.भा.	08:48	मीन	05:31	07:14	–
30	रवि	नवमी	12:19	रेवती	07:33	मे.07:33	05:32	07:14	भ. 23:22 से, पंचक स. 07:33, स.सि.यो. 07:33 ये
1	सोम	दशमी	10:26	अश्विनी परंभरणी	06:25 29:26	मेष	05:32	07:14	भ. 10:26 तक
2	मंगल	एकादशी	08:42	कृतिका	28:39	वृ.11:14	05:32	07:14	योगिनी एकादशी व्रत (सर्वेषां), स.सि.यो. 28:39 तक
3	बुध	द्वादशी	07:10	रोहिणी	28:06	वृष	05:33	07:14	प्रदोष व्रत, रोहिणी व्रत, स.सि.यो.
4	गुरु	त्रयोदशी परं	05:54	मृगशिरा	27:54	मि.16:00	05:33	07:14	भ.05:54 से 17:25 तक, मास शिवरात्रि, पितृकार्ये अमावस्या, स.सि. अ.सि.यो. 16:24 तक
0	गुरु	चतुर्दशी	28:27	0	0	0	0	0	चतुर्दशी क्षय:
5	शुक्र	अमावस्या	28:26	आर्द्रा	28:05	मिथुन	05:33	07:14	अमावस्या, **शुक्र उदय पश्चिम** 08:10, स.सि.यो. 28:05 से

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल आषाढ़ कृष्ण पक्ष

भक्तवत्सल भगवान्–शीघ्र ही प्रसन्न हो जाते हैं–

*** समस्त जीवों पर दया करने से**

*** जो कुछ मिल जाये उसी में सन्तुष्ट रहने से एवं**

*** समस्त इन्द्रियों को विषयों से निवृत्त करके शान्त करने से।**

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

6 से 21 जुलाई

आषाढ़ शुक्ल पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

वर्षा ऋतु

(रवि दक्षिणयाने)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
6	शनि	प्रतिपदा	28:26	पुनर्वसु	28:47	क.22:37	05:34	07:14	**गुप्त नवरात्रि प्रारम्भ**
7	रवि	द्वितीया	28:59	पुष्य	सम्पूर्ण	कर्क	05:34	07:14	**श्री जगन्नाथ रथ यात्रा पुरी**, स.सि.यो., चन्द्र दर्शन
8	सोम	तृतीया	सम्पूर्ण	पुष्य	06:02	कर्क	05:34	07:14	श्रीवल्लभाचार्य पुण्यतिथि, स.सि.यो. 06:02 तक
9	मंगल	तृतीया	06:08	अश्लेषा	07:52	सिं.07:52	05:35	07:13	भ. 18:59 से, स.सि.यो. 07:52 तक
10	बुध	चतुर्थी	07:51	मघा	10:14	सिंह	05:35	07:13	भ. 07:51 तक
11	गुरु	पंचमी	10:03	पू.फा.	13:03	क.19:49	05:36	07:13	कौमारिकी षष्ठी, **द्वारिकाधीश पाटोत्सव**
12	शुक्र	षष्ठी	12:32	उ.फा.	16:08	कन्या	05:36	07:13	भानू सप्तमी, सूर्य पूजा
13	शनि	सप्तमी	15:05	हस्त	19:14	कन्या	05:37	07:13	भ. 15:05 से 28:15 तक
14	रवि	अष्टमी	17:25	चित्रा	22:05	तु.08:39	05:37	07:13	–
15	सोम	नवमी	19:19	स्वाति	24:29	तुला	05:38	07:12	भड्डुली नवमी
16	मंगल	दशमी	20:33	विशाखा	26:13	वृ.19:47	05:38	07:12	कर्क में सूर्य 11:19
17	बुध	एकादशी	21:02	अनुराधा	27:12	वृश्चिक	05:39	07:12	भ. 08:47 से 21:02 तक, **देवशयनी एकादशी** व्रत सर्वेषां
18	गुरु	द्वादशी	20:14	ज्येष्ठा	27:24	ध.27:24	05:39	07:11	–
19	शुक्र	त्रयोदशी	19:41	मूल	26:54	धनु	05:40	07:11	प्रदोष व्रत
20	शनि	चतुर्दशी	17:59	पू.षा.	25:48	धनु	05:40	07:11	भ. 17:59 से 28:52 तक, चातुर्मास प्रा., सत्यव्रत
21	रवि	पूर्णिमा	15:46	उ.षा	24:13	म.07:24	05:41	07:10	**गुरु पूर्णिमा (मुड़िया पूनो), व्यास पूजा**

विशेष उत्सव ☆ **स.का. समाप्ति काल** **आषाढ़ शुक्ल पक्ष**

07 जुलाई (रविवार) – **रथयात्रा, श्री बिहारी जी, श्री राधाबल्लभ जी, वृन्दावन, श्रीनिम्बार्काचार्यपीठाधीश्वर श्री श्रीजी महाराज का विरक्त दीक्षोपरान्त श्रीयुवराज पदासीन उत्सव**

11 जुलाई (गुरुवार) – **श्री द्वारिकाधीश जी पाटोत्सव, मथुरा**

16 जुलाई (मंगलवार) – **श्रीमाधवाचार्य पाटोत्सव**

17 जुलाई (बुधवार) – **देवशयन, चातुर्मास नियमादि प्रारम्भ, श्री द्वारिकाधीश जी, मथुरा**

21 जुलाई (रविवार) – **मुड़िया पूनो, गुरु पूर्णिमा, परिक्रमा गोवर्धन, निधिवन में फूल बंगला, गजेन्द्र मोक्ष उत्सव, श्रीरंगजी, वृन्दावन, गुरु पूर्णिमा**

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

22 जुलाई से 4 अगस्त

श्रावण कृष्ण पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

वर्षा ऋतु (रवि दक्षिणायने)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
22	सोम	प्रतिपदा	13:11	श्रवण	22:20	मकर	05:41	07:10	स.सि.यो. 22:20 तक
23	मंगल	द्वितीया	10:23	धनिष्ठा	20:17	कु.09:18	05:42	07:09	भ. 20:56 से, पंचक प्रा. 9:18
24	बुध	तृतीया परं	07:30	शतभिषा	18:13	कुम्भ	05:42	07:09	भ. 07:30 तक, चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 21:38
0	बुध	चतुर्थी	28:39	0	0	0	0	0	चतुर्थीक्षय:
25	गुरु	पंचमी	25:58	पू.भा.	16:15	मी.10:45	05:43	07:08	–
26	शुक्र	षष्ठी	23:30	उ.भा.	14:29	मीन	05:43	07:08	भ. 23:30 से, स.सि.अ.सि.यो. 14:29 से
27	शनि	सप्तमी	21:19	रेवती	12:59	मे.12:59	05:44	07:07	भ. 10:24 तक, पंचक स. 12:59
28	रवि	अष्टमी	19:27	अश्विनी	11:47	मेष	05:44	07:07	स.सि.यो. 11:47 तक
29	सोम	नवमी	17:55	भरणी	10:54	वृ. 16:46	05:45	07:06	भ. 29:19 से
30	मंगल	दशमी	16:44	कृतिका	10:22	वृष	05:45	07:06	भ. 16:44 तक, रोहिणी व्रत, स.सि. यो. 10:22 तक
31	बुध	एकादशी	15:55	रोहिणी	10:12	मि.22:17	05:46	07:05	कामिका एकादशी व्रत (सर्वेषां), स.सि.यो.
1	गुरु	द्वादशी	15:28	मृगशिरा	10:23	मिथुन	05:47	07:04	प्रदोष व्रत
2	शुक्र	त्रयोदशी	15:26	आर्द्रा	10:58	क.29:43	05:47	07:04	भ. 15:26 से 27:38 तक, मास शिवरात्रि, स.सि.यो. 10:58
3	शनि	चतुर्दशी	15:50	पुनर्वसु	11:58	कर्क	05:48	07:03	–
4	रवि	अमावस्या	16:42	पुष्य	13:25	कर्क	05:48	07:03	हरियाली अमावस्या, स.सि.यो. 13:25 तक

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल श्रावण कृष्ण पक्ष

जो मनुष्य अपने धन को पाँच भागों में बाँट देता है वह इस लोक और परलोक में भी सुख ही पाता है –

1. धर्म के लिए **2. यश के लिए**

3. धन की अभिवृद्धि के लिए **3. भोगों के लिए**

5. स्वजनों के लिए

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

5 से 19 अगस्त

श्रावण शुक्ल पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

वर्षा ऋतु (रवि दक्षिणायने)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
5	सोम	प्रतिपदा	16:03	अश्लेषा	15:20	सि.15:20	05:49	07:02	श्रावण सोमवार व्रत
6	मंगल	द्वितीया	19:52	मघा	17:43	सिंह	05:49	07:01	चन्द्र दर्शन
7	बुध	तृतीया	22:05	पू.फा.	20:29	क.27:15	05:50	07:00	**हरियाली तीज**
8	गुरु	चतुर्थी	24:36	उ.फा.	23:33	कन्या	05:50	07:00	भ. 11:20 से 24:36 तक, विनायक चतुर्थी
9	शुक्र	पंचमी	27:14	हस्त	26:43	कन्या	05:51	06:59	नाग पंचमी, श्री अमरनाथ यात्रा प्रारम्भ
10	शनि	षष्ठी	29:45	चित्रा	29:48	तु.16:15	05:51	06:58	स.सि.यो. 29:48 से
11	रवि	सप्तमी	सम्पूर्ण	स्वाति	सम्पूर्ण	तुला	05:52	06:57	**तुलसीदास जयन्ती**
12	सोम	सप्तमी	07:55	स्वाति	08:32	वृ.28:10	05:52	06:56	भ. 07:55 से 20:43 तक
13	मंगल	अष्टमी	09:31	विशाखा	10:43	वृश्चिक	05:53	06:56	-
14	बुध	नवमी	10:23	अनुराधा	12:12	वृश्चिक	05:53	06:55	स.सि.अ.सि.यो. 12:12 तक
15	गुरु	दशमी	10:26	ज्येष्ठा	12:52	ध.12:52	05:54	06:54	भ. 22:02 से, **स्वतन्त्रता दिवस**
16	शुक्र	एकादशी	09:39	मूल	12:43	धनु	05:54	06:53	भ. 09:39 तक, पवित्रा एकादशी व्रत (सर्वेषां), सिंह में सूर्य 19:45
17	शनि	द्वादशी परं	08:05	पू.षा	11:48	म.17:24	05:55	06:52	प्रदोष व्रत
0	शनि	त्रयोदशी	29:51	0	0	0	0	0	त्रयोदशी क्षय:
18	रवि	चतुर्दशी	27:04	उ.षा	10:14	मकर	05:56	06:51	भ. 27:04 से, स.सि.यो. 10:14 तक
19	सोम	पूर्णिमा	23:55	श्रवण	08:09	कु.18:56	05:56	06:50	भ. 13:29 तक, पंचक प्रा. 18:56, सत्यव्रत पूर्णिमा, **रक्षाबन्धन, श्रावणी उपाक्रम** स.सि.यो. 08:09 तक
				परंधनिष्ठा	29:44				

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल श्रावण शुक्ल पक्ष

भगवान के श्रीविग्रह का रंग

सत्ययुग- सफेद

त्रेता - लाल

द्वापर - साँवला

कलियुग - काले रंग का; कृष्णवर्ण

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

20 अगस्त से 3 सितम्बर

भाद्रपद कृष्ण पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

वर्षा ऋतु

(रवि दक्षिणायने)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
20	मंगल	प्रतिपदा	20:32	शतभिषा	27:09	कुम्भ	05:56	06:49	–
21	बुध	द्वितीया	17:06	पू.भा.	24:32	मी.19:11	05:57	06:48	भ. 27:26 से
22	गुरु	तृतीया	13:46	उ.भा.	22:05	मीन	05:57	06:47	भ. 13:46 तक, बहुला चतुर्थी व्रत, शरद ऋतु प्रा., स.सि.यो. 22:05 से
23	शुक्र	चतुर्थी	10:38	रेवती	19:53	मे.19:53	05:58	06:46	पंचक स. 19:53, स.सि.यो.अ. सि.यो. 19:53 तक
24	शनि	पंचमी परं	07:51	अश्विनी	18:05	मेष	05:58	06:45	भ. 29:30 से, हल-चन्दन षष्ठी व्रत
0	शनि	षष्ठी	29:30	0	0	0	0	0	षष्ठी क्षय:
25	रवि	सप्तमी	27:39	भरणी	16:44	वृ.22:31	05:59	06:44	भ. 16:34 तक
26	सोम	अष्टमी	26:19	कृतिका	15:54	वृष	05:59	06:43	**श्रीकृष्ण जन्माष्टमी**, रोहिणी व्रत, स.सि.यो. 15:54 से
27	मंगल	नवमी	25:33	रोहिणी	15:37	मि.27:44	06:00	06:42	**नन्दोत्सव**
28	बुध	दशमी	25:19	मृगशिरा	15:52	मिथुन	06:00	06:41	भ.13:26 से 25:19 तक, स.सि. यो. 15:52 तक
29	गुरु	एकादशी	25:37	आर्द्रा	15:39	मिथुन	06:01	06:40	अजा एकादशी (स्मार्त्त), स.सि. यो. 16:39 से
30	शुक्र	द्वादशी	26:25	पुनर्वसु	17:55	क.11:36	06:01	06:39	अजा एकादशी (निम्बार्क) गोववस्त पूजा, स.सि.यो. 17:55 तक
31	शनि	त्रयोदशी	27:40	पुष्य	19:39	कर्क	06:02	06:38	भ. 27:40 से, शनि प्रदोष व्रत, छटी पूजन
1	रवि	चतुर्दशी	29:21	अश्लेषा	21:48	सिं.21:48	06:02	06:37	भ. 16:30 तक, मास शिवरात्रि
2	सोम	अमावस्या	सम्पूर्ण	मघा	24:19	सिंह	06:02	06:36	कुशोत्पाटनी अमावस्या, सोमवती अमावस्या
3	मंगल	अमावस्या	07:24	पू.फा.	27:09	सिंह	06:03	06:35	देवकार्य अमावस्या

विशेष उत्सव ☆ **स.का. समाप्ति काल** **भाद्रपद कृष्ण पक्ष**

24 अगस्त (शनिवार) – **श्रीनिम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्रीपरशुरामदेवाचार्य पाटोत्सव**

25 अगस्त (रविवार) – **श्रीकृष्ण चरण चिह्न युक्त गोबर्धन शिला के दर्शन, श्रीराधादामोदर, वृन्दावन**

26 अगस्त (सोमवार) – **जन्माष्टमी रात्रि आरती के बाद जन्म से पहले श्रीकृष्ण कथा, जन्माभिषेक, 2:00 बजे मंगला, 5:00 बजे तक दर्शन, मंगला केवल आज ही के दिन, श्री बिहारी जी, वृन्दावन**

27 अगस्त (मंगलवार) – **नन्दोत्सव, नन्दगाँव, उत्सव श्रीराधावल्लभ, लट्ठा का मेला, रंगीजी, वृन्दावन**

30 अगस्त (शुक्रवार) – **श्रीवृन्दावनदेवाचार्य पाटोत्सव**

02 सितम्बर (सोमवार) – **कुशोत्पाटिनी अमावस्या**

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

4 से 18 सितम्बर

भाद्रपद शुक्ल पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

शरद् ऋतु (रवि दक्षिणायने)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
4	बुध	प्रतिपदा	09:46	उ.फा.	सम्पूर्ण	क.09:55	06:03	06:33	चन्द्र दर्शन
5	गुरु	द्वितीया	12:21	उ.फा.	06:13	कन्या	06:04	06:32	–
6	शुक्र	तृतीया	15:01	हस्त	09:24	तु.22:98	06:04	06:31	भ. 28:19 से, हरितालिका तीज व्रत, **श्री वराह जयन्ती**
7	शनि	चतुर्थी	17:37	चित्रा	12:33	तुला	06:05	06:30	भ. 17:37 तक, **श्री गणेश जयंती**, स.सि.यो. 12:33 से, पत्थर चौथ, चन्द्रदर्शन निषेध
8	रवि	पंचमी	19:58	स्वाति	15:30	तुला	06:05	06:29	ऋषि पंचमी व्रत
9	सोम	षष्ठी	21:53	विशाखा	18:03	वृ.11:25	06:06	06:28	सूर्य षष्ठी व्रत, श्री बल्देव छट, स.सि.यो. 18:03 से
10	मंगल	सप्तमी	23:11	अनुराधा	20:03	वृश्चिक	06:06	06:27	भ. 23:11 से, सन्तान सप्तमी
11	बुध	अष्टमी	23:46	ज्येष्ठा	21:21	ध.21:21	06:07	06:26	भ. 23:11 तक, **श्रीराधाष्टमी**, **स्वामी हरिदास जयंती**
12	गुरु	नवमी	23:32	मूल	21:52	धनु	06:07	06:24	–
13	शुक्र	दशमी	22:30	पू.षा.	21:35	म.27:19	06:08	06:23	–
14	शनि	एकादशी	20:41	उ.षा	20:32	मकर	06:08	06:22	भ. 09:35 से 20:41 तक, पद्मा जल झूलनी एकादशी व्रत सर्वेषां, स.सि.यो. 20:32
15	रवि	द्वादशी	18:12	श्रवण	18:48	कु.29:40	06:08	06:21	पंचक प्रा. 29:40, **श्रीवामन जयंती**, प्रदोष व्रत
16	सोम	त्रयोदशी	15:10	धनिष्ठा	16:32	कुम्भ	06:09	06:20	कन्या में सूर्य 19:43
17	मंगल	चतुर्दशी	11:44	शतभिषा	13:52	मी.29:42	06:09	06:19	भ. 11:44 से 21:53 तक, अनंत चतुर्दशी, गणेश विसर्जन, विश्वकर्मा पूजा, महालयारम्भ, पूर्णिमा श्राद्ध
18	बुध	पूर्णिमा	08:03	पू.भा.	10:59	मीन	06:10	06:18	प्रतिपदा श्राद्ध

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल भाद्रपद शुक्ल पक्ष

07 सितम्बर (शनिवार) – श्री गणेश जी जन्मोत्सव (पत्थरचौथ)
08 सितम्बर (रविवार) – श्रीजी के मंदिर से चार दिन चाव (सवारी) निकले, श्री राधाबल्लभ जी, वृन्दावन
11 सितम्बर (बुधवार) – श्री राधाकुण्ड स्नान, राधाष्टमी मेला, बरसाना, भँवरवन परिक्रमा, मेला गरुड़ गोविन्द जी, श्री हरिदास जी जयन्ती सायं सवारी निधिवन जाती है, वृन्दावन
15 सितम्बर (रविवार) – श्री गोपालाचार्य पाटोत्सव, मटकीफोर डोंगा लीला, बरसाना, श्रीपद्माचार्य पाटोत्सव
17 सितम्बर (मंगलवार) – महालयारम्भः, श्राद्ध पूर्णिमा
18 सितम्बर (बुधवार) – प्रतिपदा श्राद्धं

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

19 सित. से 2 अक्टूबर

आश्विन कृष्ण पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

शरद् ऋतु

(रवि दक्षिणायने)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
0	बुध	प्रतिपदा	28:19	0	0	0	0	0	प्रतिपदाक्षय:
19	गुरु	द्वितीया	24:39	उ.भा. परंरेवती	08:03 29:14	मे.29:14	06:10	06:16	पंचक स0 29:14, द्वितीया श्राद्ध, स.सि.यो. 08:03 से
20	शुक्र	तृतीया	21:15	आश्विनी	26:42	मेष	06:10	06:15	भ. 10:57 से 21:15 तक, तृतीया श्राद्ध, स.सि.यो. 26:42 तक
21	शनि	चतुर्थी	18:13	भरणी	24:35	मेष	06:11	06:14	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20:33, चतुर्थी श्राद्ध
22	रवि	पंचमी	15:43	कृतिका	23:01	वृ.06:11	06:11	06:13	पंचमी श्राद्ध, रवि दक्षिणगोले
23	सोम	षष्ठी	13:50	रोहिणी	22:06	वृष	06:12	06:12	भ.13:50 से 25:14 तक, षष्ठी श्राद्ध, एवं सप्तमी श्राद्ध, रोहिणी व्रत, स.सि.अ.सि.यो. 22:06 से
24	मंगल	सप्तमी	12:38	मृगशिरा	21:53	मि.09:59	06:12	06:11	अष्टमी श्राद्ध, जीवित्पुत्रिका व्रत
25	बुध	अष्टमी	12:10	आर्द्रा	22:23	मिथुन	06:13	06:10	मातृ नवमी, नवमी श्राद्ध
26	गुरु	नवमी	12:25	पुनर्वसु	23:33	क.17:16	06:13	06:08	भ. 24:52 से, स.सि.अ.सि.यो. 23:33 से
27	शुक्र	दशमी	13:20	पुष्य	25:20	कर्क	06:13	06:07	भ. 13:20 तक, दशमी श्राद्ध
28	शनि	एकादशी	14:49	अश्लेषा	27:37	सिं.27:37	06:14	06:06	एकादशी श्राद्ध
29	रवि	द्वादशी	16:47	मघा	सम्पूर्ण	सिंह	06:14	06:05	इन्दिरा एकादशी व्रत (सर्वेषां)
30	सोम	त्रयोदशी	19:06	मघा	06:18	सिंह	06:15	06:04	सन्यासीनां द्वादशी श्राद्ध
1	मंगल	चतुर्दशी	21:39	पू.फा.	09:15	क.16:02	06:15	06:03	भ. 19:06 से, प्रदोष व्रत, त्रयोदशी श्राद्ध, मास शिवरात्रि
2	बुध	अमावस्या	24:18	उ.फा.	12:22	कन्या	06:16	06:02	भ. 08:22 तक, चतुर्दशी श्राद्ध (अपमृत्यु वालों का) सर्वपितृ अमावस्या श्राद्धं, पितर विसर्जन, स.सि.यो. 12:22 से भूले बिछड़ों का श्राद्ध

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल आश्विन कृष्ण पक्ष

19 सितम्बर (गुरुवार) - सांझी का कार्यक्रम, श्रीनिम्बार्काचार्य श्री श्रीजी निज गुरु श्रीबालकृष्णशरणदेवाचार्य जी की श्राद्ध तिथि, पितृ पक्ष आरम्भ

24 सितम्बर (मंगलवार) - श्रीघनश्यामशरण देवाचार्य पाटोत्सव

28 सितम्बर (शनिवार) - रंगों की सांझी प्रारम्भ, श्री राधावल्लभ जी, वृन्दावन

02 अक्टूबर (बुधवार) - सांझी पूर्ण, पितृ विसर्जन

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

3 से 17 अक्टूबर

आश्विन शुक्ल पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

शरद ऋतु (रवि दक्षिणायने)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
3	गुरु	प्रतिपदा	26:58	हस्त	15:31	तु.29:04	06:16	06:01	**शारदीय नवरात्र प्रारम्भ**, कलश स्थापनम्, माता महाश्राद्ध, अग्रसेन ज.
4	शुक्र	द्वितीया	29:30	चित्रा	18:37	तुला	06:17	05:59	चन्द्र दर्शन
5	शनि	तृतीया	सम्पूर्ण	स्वाति	21:32	तुला	06:17	05:58	सिन्दूर तृतीया, स.सि.यो. 21:32 तक
6	रवि	तृतीया	07:49	विशाखा	24:10	वृ.17:31	06:18	05:57	भ. 20:48 से
7	सोम	चतुर्थी	09:47	अनुराधा	26:24	वृश्चिक	06:18	05:56	भ. 09:47 तक, स.सि.यो. 26:24 तक
8	मंगल	पंचमी	11:17	ज्येष्ठा	28:07	ध.28:07	06:19	05:55	–
9	बुध	षष्ठी	12:14	मूल	29:14	धनु	06:19	05:54	सरस्वती आवाहनं
10	गुरु	सप्तमी	12:31	पू.षा.	29:40	धनु	06:20	05:53	भ. 12:31 से 24:18 तक, सरस्वती पूजन
11	शुक्र	अष्टमी	12:06	उ.षा.	29:24	म.11:36	06:20	05:52	**दुर्गाष्टमी एवं महानवमी पूजा**, स.सि.यो. 29:24 से
12	शनि	नवमी	10:58	श्रवण	28:27	मकर	06:21	05:51	**विजयदशी (दशहरा)**, स.सियो. 28:27 तक, शमी पूजन
13	रवि	दशमी	09:08	धनिष्ठा	26:51	कु.15:39	06:21	05:50	भ. 19:54 से, पंचक प्रा. 15:39, पापांकुशा एकादशी व्रत स्मार्त्त
14	सोम	एकादशी परं	06:41	शतभिषा	24:42	कुम्भ	06:22	05:49	भ.06:41 तक, पापांकुशा एकादशी व्रत वैष्णव
0	सोम	द्वादशी	27:42	0	0	0	0	0	द्वादशी क्षय:
15	मंगल	त्रयोदशी	24:19	पू.भा.	22:06	मी.16:45	06:23	05:48	भौम प्रदोष व्रत, स.सि.यो. 22:06 से
16	बुध	चतुर्दशी	20:40	उ.भा.	19:17	मीन	06:23	05:47	भ. 20:40 से, कोजागरीव्रत, शरद पूर्णिमा
17	गुरु	पूर्णिमा	16:55	रेवती	16:19	मे.16:19	06:24	05:46	भ. 06:47 तक, पंचक स.16:19, तुला में सूर्य 07:43, रास पूर्णिमा, स.सि.यो.28:27 तक

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल **आश्विन शुक्ल पक्ष**

03 अक्टूबर (गुरुवार) – **नवरात्रारम्भ, अग्रसेन जयंती**

05 अक्टूबर (शनिवार) – **आदिवाणीकार युगलशतक निर्माता श्रीभट्टदेवाचार्य जी महाराज का पाटोत्सव**

12 अक्टूबर (शनिवार) – **विजयादशमी, दशहरा मेला, रावण दहन**

14 अक्टूबर (सोमवार) – **छप्पन भोग, श्री द्वारिकाधीश जी, मथुरा**

16 अक्टूबर (बुधवार) – **श्री बिहारी जी का मुकुट कटि, काछनी, मुरली धारण, शरद् पूर्णिमा, महारास, वृन्दावन, ब्रज परिक्रमा एवं कार्तिक स्नान प्रारम्भ**

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

18 अक्टू. से 1 नवम्बर

कार्तिक कृष्ण पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

शरद ऋतु (रवि दक्षिणायने)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
18	शुक्र	प्रतिपदा	13:15	अश्विनी	13:25	मेष	06:24	05:45	स.सि.यो. 13:25 तक
19	शनि	द्वितीया	09:48	भरणी	10:46	वृ.16:12	06:25	05:44	भ. 20:17 से
20	रवि	तृतीया परं	06:46	कृतिका	08:31	वृष	06:25	05:43	भ. 06:46 तक, **करवा चौथ व्रत**, चन्द्रोदय 19:58, रोहिणी व्रत
0	रवि	चतुर्थी	28:17	0	0	0	0	0	चतुर्थीक्षय:
21	सोम	पंचमी	26:29	रोहिणी परंमृगशिरा	06:49 29:50	मि.18:19	06:26	05:42	स.सि.अ.सि.यो. 29:50 तक
22	मंगल	षष्ठी	25:28	आर्द्रा	29:38	मिथुन	06:26	05:41	भ. 25:28 से, हेमन्त ऋतु प्रारम्भ
23	बुध	सप्तमी	25:18	पुनर्वसु	30:15	क.24:06	06:27	05:40	भ. 13:23 तक
24	गुरु	अष्टमी	25:58	पुष्य	सम्पूर्ण	कर्क	06:27	05:40	**अहोई अष्टमी व्रत**, चन्द्रोदय 23:59, स.सि.अ.सि.यो.
25	शुक्र	नवमी	27:22	पुष्य	07:39	कर्क	06:28	05:39	–
26	शनि	दशमी	29:23	अश्लेषा	09:45	सि.09:45	06:29	05:38	भ. 16:22 से 29:23 तक
27	रवि	एकादशी	सम्पूर्ण	मघा	12:23	सिंह	06:30	05:37	रमा एकादशी व्रत स्मार्त
28	सोम	एकादशी	07:50	पू.फा.	15:23	क.22:10	06:30	05:36	रमा एकादशी व्रत वैष्णव
29	मंगल	द्वादशी	10:31	उ.फा.	18:33	कन्या	06:31	05:35	गोवत्स द्वादशी, प्रदोष व्रत, **धनतेरस**
30	बुध	त्रयोदशी	13:15	हस्त	21:42	कन्या	06:32	05:34	भ. 13:15 से 26:33 तक, स.सि.यो. 21:42 तक
31	गुरु	चतुर्दशी	15:52	चित्रा	24:44	तु.11:13	06:33	05:33	नरक चतुर्दशी, **हनुमान जयंती**
1	शुक्र	अमावस्या	18:16	स्वाति	27:30	तुला	06:33	05:32	अमावस्या, **श्री महालक्ष्मी पूजन (दीपवली)**

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल **कार्तिक कृष्ण पक्ष**

20 अक्टूबर (रविवार) – **करवाचौथ व्रत**

24 अक्टूबर (गुरुवार) – **अहोई अष्टमी, अर्द्धरात्रि दाम्पत्य स्नान, राधाकुण्ड, गोवर्धन**

29 अक्टूबर (मंगलवार) – **श्रीमाधवभट्टाचार्य पाटोत्सव**

30 अक्टूबर (बुधवार) – **श्रीमहावाणीकार रसिकराज राजेश्वर श्रीहरिव्यास देवाचार्य पाटोत्सव**

01 नवम्बर (शुक्रवार) – **महालक्ष्मी पूजन, गोकरण जागरण, श्रीजी चौपड़ खेलें, श्री द्वारिकाधीश जी, मथुरा**

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

2 से 15 नवम्बर

कार्तिक शुक्ल पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

हेमन्त ऋतु (रवि दक्षिणायने)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
2	शनि	प्रतिपदा	20:11	विशाखा	29:57	वृ.23:20	06:34	05:32	**अन्नकूट, गोबर्धन पूजा**
3	रवि	द्वितीया	22:05	अनुराधा	सम्पूर्ण	वृश्चिक	06:35	05:31	**भाई दूज, यम द्वितीया, विश्वकर्मा पूजा**, चन्द्र दर्शन
4	सोम	तृतीया	23:24	अनुराधा	08:03	वृश्चिक	06:36	05:30	स.सि.यो. 08:03 तक
5	मंगल	चतुर्थी	24:16	ज्येष्ठा	09:44	ध.09:44	06:36	05:30	भ.11:50 से 24:16 तक, छठ पूजा प्रा.
6	बुध	पंचमी	24:40	मूल	10:59	धनु	06:37	05:29	–
7	गुरु	षष्ठी	24:34	पू.षा.	11:46	म.17:50	06:38	05:29	**सूर्य षष्ठी**, सायं सूर्य को अर्घ्य, स.सि.यो. 12:02 से
8	शुक्र	सप्तमी	23:56	उ.षा.	12:02	मकर	06:38	05:28	भ.23:56 से, सुबह अर्घ्य, स.सि.यो.12:02से
9	शनि	अष्टमी	22:45	श्रवण	11:47	कु.23:23	06:39	05:28	भ. 11:20 तक, पंचक प्रा0 23:23, **गोपाष्टमी पूजन**, स.सि.यो. 11:47तक
10	रवि	नवमी	21:01	धनिष्ठा	10:59	कुम्भ	06:39	05:27	**अक्षय नवमी**, जुगल जोड़ी परिक्रमा मथुरा-वृन्दावन
11	सोम	दशमी	18:46	शतभिषा	09:39	मी.26:18	06:41	05:27	भ.29:25 से, भीष्म पंचक प्रारम्भ
12	मंगल	एकादशी	16:04	पू.भा. परं उ.भा.	07:51 29:39	मीन	06:42	05:26	भ.16:04 तक, **देव प्रबोधिनी एकादशीव्रत** सर्वेषां (देवात्थान) तुलसी शालग्राम विवाह, स.सि.यो. 07:51 से 29.39 तक
13	बुध	द्वादशी	13:01	रेवती	27:10	मे.27:10	06:42	05:26	प्रदोष व्रत, पंचक स. 27:10
14	गुरु	त्रयोदशी परं	09:43	अश्विनी	24:32	मेष	06:42	05:25	भ. 30:19 से, बैकुण्ठ चतुर्दशी, स.सि.यो. 24:32 तक
0	गुरु	चतुर्दशी	30:19	0	0	0	0	0	चतुर्दशीक्षय:
15	शुक्र	पूर्णिमा	26:58	भरणी	21:54	वृ.27:17	06:43	05:25	भ.16:38 तक, कार्तिक पूर्णिमा, **श्रीनिम्बार्काचार्य जयंती, गुरूनानक जं0**, भीष्म पंचक समाप्त

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल **कार्तिक शुक्ल पक्ष**

02 नवम्बर (शनिवार) – गोवर्धन पूजा, अन्नकूट महोत्सव, निम्बार्क तीर्थ, श्रीजी चांदी की छड़ी में विराजें, वृन्दावन
07 नवम्बर (गुरुवार) – श्रीजी हाथ में छड़ी लें, गोचारण पोशाक में नटवर वेश, श्रीराधाबल्लभ जी, वृ.
10 नवम्बर (रविवार) – जुगल जोड़ी परिक्रमा, वृन्दावन-मथुरा, श्री सर्वेश्वर प्रभु का प्राकट्य दिवस, पुष्कर
11 नवम्बर (सोमवार) – कंश वध लीला, मथुरा
12 नवम्बर (मंगलवार) – तीन वन परिक्रमा, वृन्दावन-मथुरा, तुलसी विवाह
14 नवम्बर (गुरुवार) – श्री राधाबल्लभ जी का पाटोत्सव, वृन्दावन
15 नवम्बर (शुक्रवार) – आद्याचार्य श्री निम्बार्क भगवान् का 5118वाँ जयन्ती महो., श्रीनिम्बार्ककोट, वृन्दावन

श्रीसम्वत् 2081 | शाके 1946 | सन् 2024 ई.

16 नव. से 1 दिसम्बर

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

हेमन्त ऋतु | (रवि दक्षिणायने)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
16	शनि	प्रतिपदा	23:50	कृतिका	19:27	वृष	06:44	05:24	वृश्चिक में सूर्य 07:32, रोहिणी व्रत, स.सि.अ.सि.यो. 19:27 से, श्रीव्यास महोत्सव, किशोरवन
17	रवि	द्वितीया	21:06	रोहिणी	17:22	मि.28:35	06:45	05:23	–
18	सोम	तृतीया	18:55	मृगशिरा	15:48	मिथुन	06:46	05:23	भ. 08:00 से 18:55 तक, चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 19:38, स.सि.अ.सि.यो. 15:48 तक
19	मंगल	चतुर्थी	17:28	आर्द्रा	14:55	मिथुन	06:47	05:23	–
20	बुध	पंचमी	16:49	पुनर्वसु	14:49	क.08:51	06:47	05:22	**श्री व्यास पंचमी**
21	गुरु	षष्ठी	17:03	पुष्य	15:34	कर्क	06:48	05:22	भ. 17:03 से 19:35 तक, स.सि.अ.सि.यो. 15:34 तक
22	शुक्र	सप्तमी	18:07	अश्लेषा	17:09	सिं.17:09	06:49	05:22	–
23	शनि	अष्टमी	19:57	मघा	19:26	सिंह	06:50	05:22	महाकाल भैरवाष्टमी
24	रवि	नवमी	22:19	पू.फा.	22:15	क.29:02	06:50	05:21	स.सि.यो. 22:15 से
25	सोम	दशमी	25:01	उ.फा.	25:23	कन्या	06:51	05:21	भ. 11:40 से 25:01 तक
26	मंगल	एकादशी	27:47	हस्त	28:34	कन्या	06:52	05:21	उत्पत्ति एकादशी व्रत (स्मार्त्त)
27	बुध	द्वादशी	30:23	चित्रा	सम्पूर्ण	तु.18:04	06:53	05:21	उत्पत्ति एकादशी व्रत (वैष्णव)
28	गुरु	त्रयोदशी	सम्पूर्ण	चित्रा	07:35	तुला	06:53	05:21	प्रदोष व्रत
29	शुक्र	त्रयोदशी	08:39	स्वाति	10:17	वृ.30:00	06:54	05:21	भ.08:39 से 21:34 तक, मास शिवरात्रि
30	शनि	चतुर्दशी	10:29	विशाखा	12:34	वृश्चिक	06:55	05:21	पितृकार्ये अमावस्या
1	रवि	अमावस्या	11:50	अनुराधा	14:23	वृश्चिक	06:56	05:21	देवकार्ये अमावस्या

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष

भगवान् का चरणोदक/चरणामृत मस्तक पर और मुख में धारण करना चाहिए किन्तु उसे पीने के बाद उस जूठे हाथ को सिर पर फेरना अपराध है।

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

2 से 15 दिसम्बर

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

हेमन्त ऋतु (रवि दक्षिणायने)

ता	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
2	सोम	प्रतिपदा	12:43	ज्येष्ठा	15:45	ध.15:45	06:56	05:21	चन्द्र दर्शन
3	मंगल	द्वितीया	13:09	मूल	16:41	धनु	06:57	05:21	–
4	बुध	तृतीया	13:10	पू.षा.	17:14	म.23:17	06:58	05:21	भ.24:29 से
5	गुरु	चतुर्थी	12:49	उ.षा.	17:26	मकर	06:59	05:21	भ.12:49 तक, श्री वैनायकी चौथ व्रत
6	शुक्र	पंचमी	12:07	श्रवण	17:17	कु.29:03	06:59	05:21	पंचक प्रा. 29:03, **श्री विहार पंचमी, श्रीरामजानकी विवाहोत्सव, संकल्प दिवस धर्म रक्षा संघ,** स.सि.यो.17:17 तक
7	शनि	षष्ठी	11:06	धनिष्ठा	16:50	कुम्भ	07:00	05:21	स्कन्धषष्ठी
8	रवि	सप्तमी	09:44	शतभिषा	16:02	कुम्भ	07:01	05:21	भ.09:44 से 20:53 तक
9	सोम	अष्टमी परं	08:02	पू.भा.	14:55	मी.09:12	07:02	05:21	–
0	सोम	नवमी	30:01	0	0	0	0	0	**नवमीक्षयः**
10	मंगल	दशमी	27:42	उ.भा.	13:29	मीन	07:02	05:21	स.सि.यो. 13:29 तक
11	बुध	एकादशी	25:09	रेवती	11:47	मे.11:47	07:03	05:22	भ.14:25 से 25:09 तक, पंचक स. 11:47, मोक्षदा एकादशी व्रत स्मार्त, गीता जयंती
12	गुरु	द्वादशी	22:26	अश्विनी	09:52	मेष	07:03	05:22	मोक्षदा एकादशी व्रत (निम्बार्क), स.सि.यो. 09:52 तक
13	शुक्र	त्रयोदशी	19:40	भरणी परंकृतिका	07:49 29:47	वृ.18:18	07:04	05:22	प्रदोष व्रत
14	शनि	चतुर्दशी	16:58	रोहिणी	27:54	वृष	07:05	05:22	भ.16:58 से 27:44 तक, सत्य व्रत पूर्णिमा, रोहिणी व्रत, स.सि.यो. 27:54 तक
15	रवि	पूर्णिमा	14:31	मृगशिरा	26:19	मि.15:06	07:06	05:23	पूर्णिमा, धनु में सूर्य 22:11, श्रीदत्त एवं अन्नपूर्णा जयंती, खरमास प्रारम्भ

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष

मनुष्यों में धन के कारण पन्द्रह अनर्थ होते हैं– परमार्थ के विरोधी इन अर्थ रूपी अनर्थों का त्याग करना ही चाहिए–

1. चोरी	**2. हिंसा**	**3. झूठ बोलना**	**4. दम्भ**
5. काम	**6. क्रोध**	**7. गर्व**	**8. अहंकार**
9. भेदबुद्धि	**10. वैर**	**11. अविश्वास**	**12. स्पर्द्धा**
13. लम्पटता	**14. जुआ**	**15. शराब**	

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024 ई.

16 से 30 दिसम्बर

पौष कृष्ण पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

हेमन्त ऋतु (रवि दक्षिणायने)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
16	सोम	प्रतिपदा	12:27	आर्द्रा	25:13	मिथुन	07:06	05:23	–
17	मंगल	द्वितीया	10:56	पुनर्वसु	24:43	क.18:51	07:07	05:24	भ. 22:31 से
18	बुध	तृतीया	10:06	पुष्य	24:57	कर्क	07:08	05:24	भ. 10:06 तक, चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20:30
19	गुरु	चतुर्थी	10:02	अश्लेषा	25:59	सि.25:59	07:58	05:24	–
20	शुक्र	पंचमी	10:48	मघा	27:46	सिंह	07:09	05:25	–
21	शनि	षष्ठी	12:21	पू.फा.	30:13	सिंह	07:09	05:25	भ. 12:21 से 25:26 तक , रवि उत्तरायने, शिशिर ऋतु प्रारम्भ
22	रवि	सप्तमी	14:31	उ.फा.	सम्पूर्ण	क.12:57	07:10	05:26	स.सि.यो.
23	सोम	अष्टमी	17:07	उ.फा.	09:08	कन्या	07:10	05:26	–
24	मंगल	नवमी	19:52	हस्त	12:16	तु.25:48	07:11	05:27	–
25	बुध	दशमी	22:29	चित्रा	15:21	तुला	07:11	05:27	भ.09:10 से 22:29 तक (बड़ा दिन)
26	गुरु	एकादशी	24:43	स्वाति	18:09	तुला	07:12	05:29	सफला एकादशी व्रत (सर्वेषां), कल्पवास प्रारम्भ प्रयाग
27	शुक्र	द्वादशी	26:26	विशखा	20:28	वृ.13:53	07:12	05:29	स.सि.यो. 20:28 से
28	शनि	त्रयोदशी	27:32	अनुराधा	22:12	वृश्चिक	07:13	05:30	भ. 27:32 से, शनि प्रदोष
29	रवि	चतुर्दशी	28:01	ज्येष्ठा	23:21	ध.23:21	07:13	05:30	भ. 15:46 तक, स.सि.यो. 23:21 से, मास शिवरात्रि, श्रीशशिमोहन दास आर्विभाव जं0
30	सोम	अमावस्या	27:56	मूल	23:56	धनु	07:13	05:31	पौषी सोमवती अमावस्या

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल पौष कृष्ण पक्ष

24 गुरु और उनसे शिक्षा

1. पृथ्वी से - क्षमा तथा पर्वत-वृक्ष आदि से परोपकार
2. वायु से- अनासक्ति तथा प्राणवायु से बहुत विषय त्याग
3. आकाश से- आत्मा की आकाशरूपता अथवा अखण्डता
4. जल- शुद्धता, स्निग्धता, मधुरता
5. अग्नि- तेजस्विता और ज्योतिर्मयता
6. चन्द्रमा- घटना-बढ़ना शरीर-धर्म है आत्मा का नहीं
7. सूर्य- विषयों का ग्रहण और उनका त्याग
8. कबूतर- कुटुम्ब के भरण पोषण में अनासक्ति
9. अजगर- प्रारब्ध के अनुसार जो मिले उसी में संतुष्टि
10. समुद्र- प्रसन्नता और गम्भीरता, शान्त स्वभाव
11. पतिंगा- स्त्रीभोग और इन्द्रियों को वश में रखना
12. भौंरा- सागर ग्राही होना, असंग्रही होना

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2024-25 ई.

31 दिस. से 13 जनवरी

पौष शुक्ल पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

शिशिर ऋतु

(रवि उत्तरायणे)

ता	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
31	मंगल	प्रतिपदा	27:21	पू.षा.	24:03	म.29:58	07:13	05:31	-
1	बुध	द्वितीया	26:24	उ.षा.	23:45	मकर	07:13	05:32	**खिचड़ी महोत्सव प्रारम्भ**, ईसवी नववर्ष प्रा.
2	गुरु	तृतीया	25:08	श्रवण	23:10	मकर	07:14	05:33	-
3	शुक्र	चतुर्थी	23:39	धनिष्ठा	22:21	कु.10:45	07:14	05:33	भ.12:23 से 23:39 तक, पंचक प्रा.10:45
4	शनि	पंचमी	22:01	शतभिषा	21:22	कुम्भ	07:14	05:34	छप्पन भोग गरुढ़ गोविन्द
5	रवि	षष्ठी	20:15	पू.भा.	20:17	मी.14:33	07:14	05:34	स.सि.यो.20:17 से
6	सोम	सप्तमी	18:23	उ.भा.	19:05	मीन	07:15	05:35	भ. 18:23 से 29:24 तक
7	मंगल	अष्टमी	16:26	रेवती	17:49	मे.17:49	07:15	05:36	पंचक स. 17:49, स.सि.अ.सि.यो. 17:49 से
8	बुध	नवमी	14:25	अश्विनी	16:29	मेष	07:15	05:37	-
9	गुरु	दशमी	12:22	भरणी	15:06	वृ.20:45	07:15	05:38	भ.23:20 से
10	शुक्र	एकादशी	10:19	कृतिका	13:44	वृष	07:15	05:39	भ.10:19 तक, पुत्रदा एकादशी व्रत (सर्वेषां), रोहिणी व्रत
11	शनि	द्वादशी परं	08:21	रोहिणी	12:28	मि.23:56	07:15	05:39	शनि प्रदोष व्रत, स.सि.अ.सि.यो. 12:28 तक
0	शनि	त्रयोदशी	30:33	0	0	0	0	0	त्रयोदशीक्षय:
12	रवि	चतुर्दशी	29:02	मृगशिरा	11:24	मिथुन	07:15	05:40	भ.29:02 से
13	सोम	पूर्णिमा	27:56	आर्द्रा	10:37	क.28:21	07:15	05:41	भ.16:29 तक, पौषी पूर्णिमा, माघ स्नान प्रारम्भ, लोहड़ी पर्व

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल पौष शुक्ल पक्ष

24 गुरु और उनसे शिक्षा

13. हाथी- काम वासना से बचना
14. शहद निकालने वाला- संचय न करना
15. हरिन- विषयी-संगीत, नाच-गाना से बचना
16. मछली- स्वाद का लोभ त्याग करना
17. पिंगला वेश्या- धन की आशा का त्याग
18. कुरर पक्षी- प्रिय वस्तुओं का संग्रह न करना
19. बालक- भोले भाव में रहना
20. कुआँरी कन्या- एकान्त में रहना
21. बाण बनाने वाला- चित्त को लक्ष्य पर केन्द्रित करना
22. सर्प - अकेले विचरना, मठ-ठिकाना आदि नहीं बनाना
23. मकड़ी- जीव-जगत् परमेश्वर का ही विकार है
24. भृंगी कीट- एकाग्र रूप चिन्तन से तदाकरता।

श्रीसम्वत् 2081 | शाके 1946 | सन् 2025 ई.

14 से 29 जनवरी

माघ कृष्ण पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

शिशिर ऋतु | (रवि उत्तरायणे)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
14	मंगल	प्रतिपदा	27:21	पुनर्वसु	10:16	कर्क	07:15	05:41	मकर में सूर्य 08:56, संक्रान्ति, पुण्य काल मध्याह्न तक, कुम्भ पर्व प्रा.
15	बुध	द्वितीया	27:23	पुष्य	10:27	कर्क	07:15	05:42	–
16	गुरु	तृतीया	28:06	अश्लेषा	11:16	सि.11:16	07:15	05:43	भ.15:44 से 28:06 तक
17	शुक्र	चतुर्थी	29:30	मघा	12:44	सिंह	07:14	05:44	श्री गणेश चतुर्थी व्रत (सकट चौथ), चन्द्रोदय 21:10
18	शनि	पंचमी	सम्पूर्ण	पू.फा.	14:50	क.21:30	07:14	05:45	–
19	रवि	पंचमी	07:30	उ.फा.	17:29	कन्या	07:14	05:46	स.सि.यो.अ.सि.यो.17:29 से
20	सोम	षष्ठी	09:58	हस्त	20:29	कन्या	07:14	05:46	भ.09:58 से 23:18 तक
21	मंगल	सप्तमी	12:39	चित्रा	23:36	तु.10:02	07:14	05:47	**श्रीरामानन्दाचार्य जयंती**
22	बुध	अष्टमी	15:18	स्वाति	26:33	तुला	07:13	05:48	–
23	गुरु	नवमी	17:37	विशाखा	29:07	वृ.22:29	07:13	05:49	भ.30:31 से, स.सि.यो. 29:07 से
24	शुक्र	दशमी	19:25	अनुराधा	31:07	वृश्चिक	07:12	05:50	भ. 29:25 तक, स.सि.यो. 31:07 तक
25	शनि	एकादशी	20:31	ज्येष्ठा	सम्पूर्ण	वृश्चिक	07:12	05:51	षट्तिला एकादशी व्रत (सर्वेषां)
26	रवि	द्वादशी	20:54	ज्येष्ठा	08:25	ध.08:25	07:11	05:51	**भा.गणतंत्र दिवस**, स.सि.यो. 08:25 से
27	सोम	त्रयोदशी	20:34	मूल	09:01	धनु	07:11	05:52	भ. 20:34 से, प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि
28	मंगल	चतुर्दशी	19:36	पू.षा	08:58	म.14:48	07:11	05:53	भ. 08:05 तक
29	बुध	अमावस्या	18:05	उ.षा.	08:20	मकर	07:11	05:54	मौनी अमावस्या, प्रयाग में कुम्भ

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल **माघ कृष्ण पक्ष**

14 जनवरी (मंगलवार) – मकर संक्रान्ति, पुण्य काल सूर्योदय से मध्याह्न काल तक
युगल दर्शन, श्री राधावल्लभ जी, वृन्दावन

23 जनवरी (गुरुवार) – श्रीगोपेश्वरशरण देवाचार्य पाटोत्सव

26 जनवरी (रविवार) – तिल का भोग, दाल भक्षण, श्रीनाथ जी, श्रीसुदर्शन चक्रावतार
श्री भगवान् निम्बार्काचार्य का 18वाँ पाटोत्सव, पं0 श्री जगन्नाथ प्रसाद भक्तमाली जी का 126वाँ जन्म जयन्ती महोत्सव, वृन्दावन

29 जनवरी (बुधवार) – श्री दाऊजी की झांकी, श्री राधाबल्लभ जी, वृन्दावन, श्री बलभद्र भट्टाचार्य पाटोत्सव

श्रीसम्वत् 2081 **शाके 1946** **सन् 2025 ई.**

30 जन. से 12 फरवरी

माघ शुक्ल पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

शिशिर ऋतु **(रवि उत्तरायने)**

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
30	गुरु	प्रतिपदा	16:10	श्रवण परं धनिष्ठा	07:14 29:50	कु.18:32	07:10	05:54	पंचक प्रा0 18:32, गुप्त नवरात्र प्रारम्भ
31	शुक्र	द्वितीया	13:59	शतभिषा	28:13	कुम्भ	07:10	05:55	चन्द्र दर्शन
01	शनि	तृतीया	11:38	पू.भा.	26:32	मी.20:57	07:09	05:56	भ.22:26 से, गौरी तृतीया, तिल वरद् चतुर्थी
02	रवि	चतुर्थी परं	09:14	उ.भा.	24:51	मीन	07:09	05:57	भ. 09:14 तक, **वसंत पंचमी**, फाग महोत्सव प्रारम्भ, स.सि.यो.24:51 तक
0	रवि	पंचमी	30:52	0	0	0	0	0	पंचमी क्षय:
03	सोम	षष्ठी	28:37	रेवती	23:16	मे.23:16	07:08	05:58	पंचक स0 23:16
04	मंगल	सप्तमी	26:30	अश्विनी	21:49	मेष	07:08	05:59	भ. 26:30 से, नर्मदा जयंती, स.सि. यो.अ.सि.यो. 21:49 तक
05	बुध	अष्टमी	24:35	भरणी	20:32	वृ.26:16	07:07	05:59	भ.13:32 तक, स.सि.यो. 20:32 से
06	गुरु	नवमी	22:53	कृतिका	19:28	वृष	07:07	06:00	–
07	शुक्र	दशमी	21:26	रोहिणी	18:39	मि.30:22	07:06	06:01	**ठा. दामोदर प्राकट्योत्सव, वृन्दावन**, रोहिणी व्रत
08	शनि	एकादशी	20:15	मृगशिरा	18:06	मिथुन	07:06	06:02	भ. 08:50 से 20:15 तक, जया एकादशी व्रत सर्वेषां
09	रवि	द्वादशी	19:25	आर्द्रा	17:52	मिथुन	07:05	06:02	भीष्म द्वादशी
10	सोम	त्रयोदशी	18:57	पुनर्वसु	18:00	क.11:58	07:05	06:03	प्रदोष व्रत, स.सि.यो. 18:00 से
11	मंगल	चतुर्दशी	18:55	पुष्य	18:33	कर्क	07:03	06:04	भ. 18:55 से, स.सि.यो. 18:33 तक
12	बुध	पूर्णिमा	19:22	अश्लेषा	19:34	सि.19:34	07:0	06:04	भ. 07:08 तक, स्नानादि माघी पूर्णिमा, गुरु रविदास जं0, कुंभ में सूर्य 21:56

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल **माघ शुक्ल पक्ष**

ग्रहों के मनाने के सरल प्रयोग

ग्रहों के दोषों को दूर करने और उनकी शुभता प्राप्त करने के लिए जरूरी नहीं कि आप मँहगे रत्न पहनें वरन् छोटे उपाय भी अचूक सिद्ध होते हैं :-

सूर्य - सूर्यदेव की शुभता बढ़ाने और नाराजी दूर करने के लिए अनावश्यक झूठ न बोलें। असत्य सम्भाषण न करें। सूर्य को ॐ सूर्याय नम: बोलकर 21 बार अर्घ्य दें, 21/22 बार ॐ आदित्याय नम: बोलें।

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2025 ई.

13 से 27 फरवरी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

शिशिर ऋतु (रवि उत्तरायणे)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
13	गुरु	प्रतिपदा	20:21	मघा	21:06	सिंह	07:02	06:05	–
14	शुक्र	द्वितीया	21:52	पू.फा.	23:08	क.29:45	07:01	06:06	–
15	शनि	तृतीया	23:52	उ.फा.	25:38	कन्या	07:00	06:07	भ.10:52 से 23:52 तक
16	रवि	चतुर्थी	26:15	हस्त	28:30	कन्या	06:59	06:08	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 21:38, स.सि.यो.अ.सि.यो. 28:30 तक
17	सोम	पंचमी	28:53	चित्रा	सम्पूर्ण	तु.18:02	06:58	06:08	–
18	मंगल	षष्ठी	सम्पूर्ण	चित्रा	07:34	तुला	06:58	06:09	वसंत ऋतु प्रारम्भ
19	बुध	षष्ठी	07:32	स्वाति	10:39	वृ.30:47	06:57	06:09	भ. 07:32 से 20:45 तक
20	गुरु	सप्तमी	09:58	विशाखा	13:29	वृश्चिक	06:56	06:10	**श्रीनाथ जी का पाटोत्सव,** स.सि.यो. 13:29 से
21	शुक्र	अष्टमी	11:57	अनुराधा	15:53	वृश्चिक	06:55	06:11	जानकी व्रत, स.सि.यो. 15:53 तक
22	शनि	नवमी	13:19	ज्येष्ठा	17:39	ध.17:39	06:54	06:11	भ. 25:37 से
23	रवि	दशमी	13:55	मूल	18:42	धनु	06:53	06:12	भ. 13:55 तक, स.सि.यो. 18:42 तक
24	सोम	एकादशी	13:44	पू.षा.	18:58	म.24:51	06:52	06:13	विजया एकादशी व्रत सर्वेषां
25	मंगल	द्वादशी	12:47	उ.षा.	18:30	मकर	06:51	06:13	प्रदोष व्रत, **मानसरोवर मेला**
26	बुध	त्रयोदशी	11:08	श्रवण	17:22	कु.28:32	06:50	06:14	भ. 11:08 से 22:01 तक, पंचक प्रा. 28:32, **महाशिवरात्रि व्रत**
27	गुरु	चतुर्दशी परं	08:54	धनिष्ठा	15:43	कुम्भ	06:50	06:14	अमावस्या
0	गुरु	अमावस्या	30:14	0	0	0	0	0	अमावस्या क्षय:

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल फाल्गुन कृष्ण पक्ष

नैवेद्य या भोग लगाने की विधि

नैवेद्य अर्पण करने की शास्त्रीय विधि यह है कि उसे थाली में परोस कर उसके ऊपर तुलसी दल छोड़ें साथ ही दूसरी थाली ढककर भगवान के समक्ष चौकोर दायरा बनायें। उस पर नैवेद्य की थाली रखें। बाऐं हाथ से एक चम्मच जल लेकर प्रतिक्षण कर सीधे फिर एक चम्मच जल अमृतो परस्तरणमासि बोलकर थाली में छोड़ें। बाऐं हाथ से थाली का ढक्कन हटाऐं। नैवेद्य के बाद जल से आचमन करायें। सात्विक पदार्थ का नैवेद्य अर्पित करें। नैवेद्य अर्पित करते समय आँखें मूंद लें जिससे हमारी वासना उसमें न आये। देवता वायुतत्व द्वारा उसे ग्रहण करते हैं।

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2025 ई.

28 फर. से 14 मार्च

फाल्गुन शुक्ल पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

वसन्त ऋतु

(रवि उत्तरायणे)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
28	शुक्र	प्रतिपदा	27:16	शतभिषा	13:39	मी.29:56	06:49	06:15	-
01	शनि	द्वितीया	24:09	पू.भा.	11:22	मीन	06:48	06:16	**फुलेरा दूज**, चन्द्र दर्शन
02	रवि	तृतीया	21:01	उ.भा.	08:58	मे.30:38	06:47	06:17	पंचकस. 30:38, स.सि.यो.08:58
				परं रेवती	30:38				तक
03	सोम	चतुर्थी	18:02	अश्विनी	28:29	मेष	06:46	06:17	भ. 07:31 से 18:02 तक
04	मंगल	पंचमी	15:16	भरणी	26:37	मेष	06:45	06:18	स.सि.यो. 26:37 से
05	बुध	षष्ठी	12:51	कृतिका	25:07	वृ.08:14	06:43	06:18	स.सि.यो.
06	गुरु	सप्तमी	10:50	रोहिणी	24:05	वृष	06:42	06:19	भ. 10:50 से 22:04 तक, रोहिणी व्रत
07	शुक्र	अष्टमी	09:18	मृगशिरा	23:31	मि.11:48	06:41	06:20	**होलाष्टक प्रारम्भ, श्रीजी मन्दिर में लड्डू की होली**
08	शनि	नवमी	08:16	आर्द्रा	23:28	मिथुन	06:40	06:20	**लट्ठमार होली बरसाना**
09	रवि	दशमी	07:45	पुनर्वसु	23:54	क.17:48	06:39	06:21	भ. 19:45 से, **लट्ठमार होली नन्दगाँव**, स.सि.यो. 23:54 से
10	सोम	एकादशी	07:44	पुष्य	24:50	कर्क	06:38	06:21	भ. 07:44 तक, आमलकी एवं **रंगभरनी एकादशी** व्रत (सर्वेषां) वृन्दावन, स.सि.यो. 24:50 से
11	मंगल	द्वादशी	08:13	अश्लेषा	26:14	सिं.26:14	06:37	06:22	प्रदोष व्रत, स.सि.यो. 26:41
12	बुध	त्रयोदशी	09:11	मघा	28:05	सिंह	06:36	06:22	-
13	गुरु	चतुर्दशी	10:35	पू.फा.	30:19	सिंह	06:35	06:23	भ. 10:35 से 23:29 तक, सत्यव्रत, **होलिका दहन** रात्रि 11:30 के बाद
14	शुक्र	पूर्णिमा	12:24	उ.फा.	सम्पूर्ण	क.12:57	06:34	06:23	पूर्णिमा **चैतन्य महाप्रभु जयंती**, **धुलैण्डी**, मीन में सूर्य 18:51

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल **फाल्गुन शुक्ल पक्ष**

28 फरवरी (शुक्रवार) - **संध्या आरती पर गुलाल लगायें, श्री राधावल्लभ जी, वृन्दावन**
03मार्च (सोमवार) - **श्री विश्वाचार्य पाटोत्सव**
06 मार्च (गुरुवार) - **श्री मथुरेश जी का पाटोत्सव, मथुरा**
07 मार्च (शुक्रवार) - **लड्डुओं की होली, श्रीजी मन्दिर, बरसाना**
08 मार्च (शनिवार) - **लट्ठमार होली, रंगीली गली, बरसाना**
09 मार्च (रविवार) - **लट्ठमार होली, नन्दगाँव**
10 मार्च (सोमवार) - **लट्ठमार होली, जन्मभूमि, मथुरा। रंगहोली प्रारम्भ, वृन्दावन**
13 मार्च (गुरुवार) - **होलिका दहन भद्रोपरान्त**
14 मार्च (शुक्रवार) - **चैतन्य महाप्रभु ज., धुलेण्डी, डोलोत्सव-बाँकेबिहारी/राधावल्लभ-वृन्दावन, चतुर्भुज लक्ष्मी जी विवाह, रंगजी मन्दिर, वृन्दावन**

श्रीसम्वत् 2081 शाके 1946 सन् 2025 ई.

15 से 29 मार्च

चैत्र कृष्ण पक्ष

27.35N 77.42E VRINDABAN

वसन्त ऋतु

(रवि उत्तरायणे)

ता.	वार	तिथि	स.का.	नक्षत्र	स.का.	चन्द्र	सूर्यो.	सूर्या.	पर्व विवरण
15	शनि	प्रतिपदा	14:33	उ.फा.	08:53	कन्या	06:33	06:24	**गणगौर पूजन प्रारम्भ**
16	रवि	द्वितीया	16:58	हस्त	11:44	तु.25:15	06:32	06:24	भ.30:15 से, **श्रीरंगजी मन्दिरोत्सव वृन्दावन**, स.सि.अ.सि.यो. 11:44 तक
17	सोम	तृतीया	19:33	चित्रा	14:46	तुला	06:31	06:25	भ. 19:33 तक, चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 21:15
18	मंगल	चतुर्थी	22:09	स्वाति	17:51	तुला	06:30	06:25	–
19	बुध	पंचमी	24:36	विशाखा	20:49	वृ.14:05	06:29	06:26	**श्री रंग पंचमी**, स.सि.यो.20:49 से
20	गुरु	षष्ठी	26:45	अनुराधा	30:31	वृश्चिक	06:28	06:26	भ.26:45 से **शुक्रास्त पश्चिम** 07:20, स.सि.यो. 23:31 तक
21	शुक्र	सप्तमी	28:23	ज्येष्ठा	25:45	ध.25:45	06:27	06:27	भ. 15:34 तक, **शीतला पूजन बसौड़ा**
22	शनि	अष्टमी	29:23	मूल	27:23	धनु	06:25	06:27	शीताष्टमी पूजन, श्रीरंगजी रथोत्सव
23	रवि	नवमी	29:38	पू.षा.	28:17	धनु	06:24	06:28	**भक्त मीराबाई जं0**, स.सि.यो. 28:17 से
24	सोम	दशमी	29:05	उ.षा.	28:26	म.10:19	06:23	06:28	भ. 17:21 से 29:05 तक, स.सि.यो. 28:26 से
25	मंगल	एकादशी	27:45	श्रवण	27:48	मकर	06:22	06:29	पाप मोचनी एकादशी व्रत स्मार्त्त, **शुक्रोदय** पूर्व 15:03
26	बुध	द्वादशी	25:42	धनिष्ठा	26:29	कु. 15:08	06:21	06:29	पाप मोचनी एकादशी व्रत वैष्णव, पंचक प्रा0 15:08
27	गुरु	त्रयोदशी	23:03	शतभिषा	24:33	कुम्भ	06:20	06:30	भ.23:03 से, प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि
28	शुक्र	चतुर्दशी	19:55	पू.भा.	22:08	मी.16:44	06:19	06:30	भ. 09:29 तक
29	शनि	अमावस्या	16:27	उ.भा.	19:26	मीन	06:18	06:31	शनैश्चरी अमावस्या, चान्द्रवर्ष समाप्त, श्रीरस्तु

विशेष उत्सव ☆ स.का. समाप्ति काल चैत्र कृष्ण पक्ष

15 मार्च (शनिवार) – **वसन्तोत्सव, गणगौर पूजा**
आचार्यपीठस्थ श्रीराधामाधवजी का फाग महोत्सव
16 मार्च (रविवार) – **रंगजी ब्रह्मोत्सव प्रारम्भ, वृन्दावन, श्री गांगलभट्टाचार्य पाटोत्सव**
19 मार्च (बुधवार) – **रंगोत्सव, श्री राधाबल्लभ जी, श्री बिहारी जी, वृन्दावन**
22 मार्च (शनिवार) – **रथोत्सव, श्री रंगजी, वृन्दावन**
26 मार्च (बुधवार) – **श्रीश्यामभट्टाचार्य एवं श्रीबालकृष्णशरण देवाचार्य जी का 117वां पाटोत्सव**
29 मार्च (शनिवार) – **चान्द्र सम्वत् सम्पन्न, श्रीरस्तु**

एकादशी

चैत्र	शुक्ल कामदा	19 अप्रैल शुक्र
वैशाख	कृष्ण वरूथिनी	4 मई शनि
वैशाख	शुक्ल मोहिनी	19 मई रवि
ज्येष्ठ	कृष्ण अपरा	2 जून रवि
ज्येष्ठ	शुक्ल निर्जला	18 जून मंगल
आषा.	कृष्ण योगिनी	2 जुलाई मंगल
आषा.	शुक्ल शयनी	17 जुलाई बुध
श्रावण	कृष्ण कामिका	31 जुलाई बुध
श्रावण	शुक्ल पवित्रा	16 अगस्त शुक्र
भाद्रपद	कृष्ण अजा	29 अगस्त गुरु
भाद्रपद	शुक्ल पद्मा	14 सित. शनि
आश्वि.	कृष्ण इन्दिरा	28 सित. शनि
आश्वि.	शुक्ल पापांकुशा	14 अक्टू. सोम
कार्तिक	कृष्ण रमा	28 अक्टू. सोम
कार्तिक	शुक्ल प्रबोधिनी	12 नव. मंगल
मार्गशीर्ष	कृष्ण उत्पन्ना	26 नव. मंगल
मार्गशीर्ष	शुक्ल मोक्षदा	11 दिस. बुध
पौष	कृष्ण सफला	26 दिस. गुरु
पौष	शुक्ल पुत्रदा	10 जन. शुक्र
माघ	कृष्ण षट्तिला	25 जन. शनि
माघ	शुक्ल जया	8 फर. शनि
फाल्गुन	कृष्ण विजया	24 फर. सोम
फाल्गुन	शुक्ल आमला	10 मार्च सोम
चैत्र	कृष्ण पापमोचनी	25 मार्च मंगल

प्रदोष व्रत

चैत्र	शुक्ल	21 अप्रैल	रविवार
वैशाख	कृष्ण	5 मई	रविवार
वैशाख	शुक्ल	20 मई	सोमवार
ज्येष्ठ	कृष्ण	4 जून	मंगलवार
ज्येष्ठ	शुक्ल	19 जून	बुधवार
आषाढ़	कृष्ण	3 जुलाई	बुधवार
आषाढ़	शुक्ल	19 जुलाई	शुक्रवार
श्रावण	कृष्ण	1 अगस्त	गुरुवार
श्रावण	शुक्ल	17 अगस्त	शनिवार
भाद्रपद	कृष्ण	31 अगस्त	शनिवार
भाद्रपद	शुक्ल	15 सितम्बर	रविवार
आश्वि.	कृष्ण	30 सितम्बर	सोमवार
आश्वि.	शुक्ल	15 अक्टूबर	मंगलवार
कार्तिक	कृष्ण	29 अक्टूबर	मंगलवार
कार्तिक	शुक्ल	13 नवम्बर	बुधवार
मार्गशीर्ष	कृष्ण	28 नवम्बर	गुरुवार
मार्गशीर्ष	शुक्ल	13 दिसम्बर	शुक्रवार
पौष	कृष्ण	28 दिसम्बर	शनिवार
पौष	शुक्ल	11 जनवरी	शनिवार
माघ	कृष्ण	27 जनवरी	सोमवार
माघ	शुक्ल	10 फरवरी	सोमवार
फाल्गुन	कृष्ण	25 फरवरी	मंगलवार
फाल्गुन	शुक्ल	11 मार्च	मंगलवार
चैत्र	कृष्ण	27 मार्च	गुरुवार

संक्रान्तियाँ

मेष	13 अप्रैल	मध्याह्न उपरान्त	तुला	17 अक्टूबर	6.30 से पुण्यकाल
वृष	14 मई	मध्याह्न उपरान्त	वृश्चिक	16 नवम्बर	6.50 से पुण्यकाल
मिथुन	14 जून	अग्रिमदिने 5.30 से	धनु	15 दिसम्बर	पुण्यः मध्याह्न से जानें
कर्क	16 जुलाई	प्रातः 5.40 से	मकर	14 जनवरी	पुण्यः सुबह 7.20 से
सिंह	16 अगस्त	पुण्यकाल 13.21 से	कुम्भ	12 फरवरी	पुण्यकाल मध्याह्न से
कन्या	16 सितम्बर	पुण्यकाल 13.20 से	मीन	14 मार्च	पुण्यकाल मध्याह्न से

गणेश चतुर्थी व्रत

वैशाख	27 अप्रैल	शनि
ज्येष्ठ	26 मई	रवि
आषाढ़	25 जून	मंगल
श्रावण	24 जुलाई	बुध
श्रावण (वरद्-4)	8 अगस्त	गुरु
भाद्रपद (बहुला-4)	22 अगस्त	गुरु
भाद्रपद (गणेश ज.)	7 सितम्बर	शनि
आश्विन	21 सितम्बर	शनि
कार्तिक करवाचौथ	20 अक्टूबर	रवि
मार्गशीर्ष	18 नवम्बर	सोम
मार्गशीर्ष (वैनायकी)	5 दिसम्बर	गुरु
पौष	18 दिसम्बर	बुध
माघ सकट चौथ	17 जनवरी	शुक्र
माघ तिल चतुर्थी	2 फरवरी	रवि
फाल्गुन	16 फरवरी	रवि
चैत्र	17 मार्च	सोम

दशावतार जयन्तियाँ

श्री मत्स्यजयन्ती (2024)	11 अप्रैल
श्री रामनवमी जन्मोत्सव	17 अप्रैल
श्री परशुराम जयन्ती	10 मई
श्री नृसिंह जयन्ती	21 मई
श्री कूर्म जयन्ती	22 मई
श्री बौद्धावतार जयन्ती	23 मई
श्री कल्कि जयन्ती	10 अगस्त
श्री कृष्ण जन्माष्टमी	26 अगस्त
श्री वराहावतार जयन्ती	6 सितम्बर
श्री वामन जयन्ती	5 सितम्बर

व्रत की पूर्णिमा

चैत्र (2024)	23 अप्रैल	मंगलवार
वैशाख	23 मई	गुरुवार
ज्येष्ठ	21 जून	शुक्रवार
आषाढ़	20 जुलाई	शनिवार
श्रावण	19 अगस्त	सोमवार
भाद्रपद	17 सितम्बर	मंगलवार
आश्विन	16 अक्टूबर	बुधवार
कार्तिक	15 नवम्बर	शुक्रवार
मार्गशीर्ष	14 दिसम्बर	शनिवार
पौष (2025)	13 जनवरी	सोमवार
माघ	12 फरवरी	बुधवार
फाल्गुन	13 मार्च	गुरुवार

अमावस्याएँ

वैशाख (2024)	8 मई	बुधवार
ज्येष्ठ	6 जून	गुरुवार
आषाढ़	5 जुलाई	शुक्रवार
श्रावण	4 अगस्त	रविवार
भाद्रपद	3 सितम्बर	मंगलवार
आश्विन	2 अक्टूबर	बुधवार
कार्तिक	1 नवम्बर	शुक्रवार
मार्गशीर्ष	1 दिसम्बर	रविवार
पौष	30 दिसम्बर	सोमवार
माघ (2025)	29 जनवरी	बुधवार
फाल्गुन	27 फरवरी	गुरुवार
चैत्र	29 मार्च	शनिवार

श्रीगणेश-महालक्ष्मी पूजन

दीपावली पूजन और दिन के लग्न मुहूर्त्त

इस वर्ष श्री महालक्ष्मी पूजन (दीपावली) का प्रमुख पर्व कार्तिक कृष्ण की अमावस्या 1 नवम्बर, 2024 शुक्रवार में मान्य रहेगा। कार्तिक अमावस्या तिथि सायं 06:16 तक रहेगी जो उदय व्यापिनी होने के साथ प्रदोष को भी स्पर्श कर रही है। अत: इस वर्ष दीपावली पर्व शुक्रवार 1 नवम्बर, 2024 को मनाया जायेगा।

इस वर्ष **धनु लग्न** दिन 10:01 मिनट शुरू होकर 12:05 बजे तक शुभ फलदायक रहेगी। धनु लग्न में प्रात: 09:17 से अमृत का चौघड़िया सर्वश्रेष्ठ है। **मकर लग्न** 12:05 से 13:49 तक रहेगी जिसमें शुभ का चौघड़िया मुहूर्त 13:24 तक सर्वश्रेष्ठ कहा जायेगा। **कुम्भ लग्न** 13:49 से 15:18 तक रहेगी जिसमें रोग का चौघड़िया मुहूर्त पूजनोपरान्त शुभ जानें। **मीन लग्न** 15:18 से 16:45 तक रहेगी जिसमें उद्वेग का चौघड़िया वर्तमान रहेगा। मीन लग्न में राहू और उद्वेग का चौघड़िया मुहूर्त होने से पूजनाचार्य पहले राहू की विशेष पूजा अर्चना दान पुण्य करा दें। **मेष लग्न** 16:45 से 18:22 तक रहेगी जिसमें 17:32 तक चर का चौघड़िया मुहूर्त वर्तमान रहेगा।

दीपावली पूजन और रात्रि के लग्न मुहूर्त्त

दीपावली की रात्रि बेला में वृष लग्न सायं18.22 बजे से प्रारम्भ होकर 20.19 बजे तक रहेगी जिसमें रोग काल का चौघड़िया मुहूर्त के साथ प्रदोष काल वर्तमान रहेगा।

दीपावली वाले दिन मिथुन लग्न 20.19 से 22.33 बजे तक रहेगी जिसे दीपावली पूजन में नौकरी का कार्य करने वाले लोगों के लिए श्रेष्ठ जानें।

दीपावली वाले दिन कर्क लग्न रात्रि 22.33 से 24.51 तक रहेगी कर्क लग्न का स्वामी चन्द्र लग्न में बैठा है जिसमें निषीथ काल वर्तमान रहेगा जिससे इस दौरान पूजन करने वाले वर्ष मध्ये सुख का अनुभव करेंगे।

दीपावली वाले दिन सिंह लग्न रात्रि 24:51 के बाद प्रारम्भ होगी। दीपावली पूजन के लिए सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त निषीथ काल भी इसी समय के मध्य में रहेगा जो कार्यसिद्धि में सहायक माना जायेगा।

ग्रहण विवरण सन् 2024-25

9 अप्रैल, 2024 से 29 मार्च, 2025 तक विक्रम संवत् 2081 में समस्त भूमण्डल पर दो सूर्यग्रहण तथा दो चन्द्रग्रहण होंगे। उपरोक्त सभी ग्रहण केवल विदेशों में दिखाई देंगे। भारत भूमि पर इस वर्ष कोई भी ग्रहण दृश्य नहीं होगा, इसलिए इस वर्ष किसी भी ग्रहण को अथवा उसका सूतक मानने की आवश्यकता नहीं है।

❖❖❖

प्रयागराज

कुम्भ महापर्व के प्रमुख स्नान

14 जनवरी, 2025 ई. माघ कृष्ण प्रतिपदा मंगलवार में 10:16 से पुष्य नक्षत्र परमपुण्य प्रदायक रहेगा, जिसमें प्रथम शाही स्नान का सुयोग बनेगा। इस अवसर पर साधु, सन्यासी, योगीजन, तपस्वी, महात्मा, महामण्डलेश्वर अपने-अपने अनुयायी संरक्षकों के साथ मिलकर शाहीस्नान करेंगे। **स्मरण रहे**- दिनांक 14 जनवरी, 2025 माघ मास की पहली तिथि मंगलवार से कुम्भ महापर्व मेला शुरू हो जायेगा, जो कि एक मास पर्यन्त चलेगा।

इस वर्ष माघव मकर संक्रान्ति के साथ प्रारम्भ होकर मकरान्त के साथ ही समाप्ति 2 फरवरी, 2025 बुधवार को समाप्त हो जायेगा। **ऐसा संयोग कई साल बीतने के बाद बना है।** चान्द्र सौर मास एक साथ चल रहे हैं। माघ में स्नानादि के लिए पर्वदिन सुनिश्चित है।

13 जनवरी, 2025 (सोमवार)	:	पौषी पूर्णिमा माघ स्नान प्रारम्भ
14 जनवरी, 2025 (मंगलवार)	:	मकर संक्रान्ति, **प्रथम शाही स्नान**
17 जनवरी, 2025 (शुक्रवार)	:	गणेश चतुर्थी, सामान्य स्नान
25 जनवरी, 2025 (शनिवार)	:	षट्तिला एकादशी व्रत, सामान्य स्नान
29 जनवरी, 2025 (बुधवार)	:	मौनी अमावस्या, **द्वितीय शाही स्नान**
02 फरवरी, 2025 (रविवार)	:	वसन्त पंचमी, **तृतीय शाही स्नान**

❖❖❖

रविपुष्य एवं गुरुपुष्यामृत योग 2023-24

ता.	मास	घ. मि.	से	घं. मि.	तक	संज्ञा
30	मार्च	22:58	”	30:15	”	गुरुपुष्य
31	मार्च	06:15	”	25:56	”	पुष्य
27	अप्रैल	06:59	”	29:46	”	गुरुपुष्य
28	अप्रैल	05:46	”	09:52	”	पुष्य
24	मई	15:05	”	29:31	”	पुष्य
25	मई	05:31	”	17:52	”	गुरुपुष्य
20	जून	22:35	”	29:29	”	पुष्य
21	जून	05:29	”	25:20	”	पुष्य
17	जुलाई	29:10	”	29:39	”	पुष्य
18	जुलाई	05:39	”	29:40	”	पुष्य
19	जुलाई	05:40	”	07:57	”	पुष्य
14	अगस्त	11:06	”	29:54	”	पुष्य
15	अगस्त	05:54	”	13:58	”	पुष्य
10	सितम्बर	17:05	”	30:07	”	रविपुष्य
11	सितम्बर	06:07	”	20:00	”	पुष्य
07	अक्टू.	23:56	”	30:19	”	पुष्य
08	अक्टू.	06:19	”	26:44	”	रविपुष्य
04	नव.	07:56	”	30:36	”	पुष्य
05	नव.	06:36	”	10:28	”	रविपुष्य
01	दिस.	16:39	”	30:56	”	पुष्य
02	दिस.	06:56	”	18:53	”	पुष्य
28	दिस.	25:04	”	31:13	”	गुरुपुष्य
29	दिस.	07:13	”	27:09	”	पुष्य
25	जन.	08:15	”	31:11	”	गुरुपुष्य
26	जन.	07:11	”	10:27	”	पुष्य
21	फर.	14:17	”	30:54	”	पुष्य
22	फर.	06:54	”	16:42	”	गुरुपुष्य
19	मार्च	20:09	”	30:28	“	पुष्य
20	मार्च	06:28	”	22:37	“	पुष्य

ज्वालामुखी अशुभ योग 2024-25

17 अप्रैल	15.14	से	29.56	तक	21 सितम्बर	18.13	से	24.35	तक
18 अप्रैल	05.56	से	07.56	तक	25 अक्टूबर	27.22	से	30.29	तक
22 जून	06.37	से	17.53	तक	26 अक्टूबर	06.29	से	09.45	तक
25 अगस्त	27.39	से	29.59	तक	5 फरवरी	20.32	से	24.35	तक
26 अगस्त	05.59	से	15.54	तक	6 फरवरी	19.28	से	22.53	तक
26 अगस्त	26.19	से	30.00	तक	3 मार्च	28.29	से	30.45	तक
27 अगस्त	06.00	से	15.37	तक	4 मार्च	06.45	से	15.16	तक

गुरू-शुक्र (तारा) उदयास्त सं. 2081 (सन् 2024-25)

गुरु				शुक्र			
7 मई	अस्त	पश्चिम	16.10	28 अप्रैल	अस्त	पूर्व	07.10
				05 जुलाई	उदय	पश्चिम	08.10
2 जून	उदय	पूर्व	08.11	20 मार्च	अस्त	पश्चिम	07.20
				25 मार्च	उदय	पूर्व	15.03

गुरु-शुक्रास्त में वर्जित कर्म

गुरु और शुक्र का अस्त होना (जिसे **तारा डूबना** भी कहा जाता है) भारतीय ज्योतिष में गुरु एवं शुक्र ग्रह को तारा माना गया है, इसके अस्त हो जाने पर भारतीय ज्योतिषशास्त्र किसी भी नर-नारि के विवाह की अनुमति नहीं देता है और न ही किसी उत्तम मांगलिक कार्य की। निम्नांकित शुभ कार्यों को शास्त्र वचनानुसार निषिद्ध एवं त्याज्य माना गया है - गृहारम्भ, गृह-प्रवेश, कूआ-तालाब का निर्माण, व्रतारम्भ, व्रतोद्यापन, नामकरण, मुण्डन, कर्णवेध, यज्ञोपवीत, सगाई, विवाह, गोदान, देव-प्रतिष्ठा (मूर्ति-स्थापना) चातुर्मास्य-प्रयोग, अग्निहोत्र (यज्ञ) प्रारम्भ, सकाम अनुष्ठान, यात्रा, दीक्षा, संन्यास ग्रहण आदि।

गण्डमूल नक्षत्र फल विचार

यदि कोई बालक/बालिका का गण्डमूल नक्षत्रों में जन्म हुआ हो तो वह जातक के माता, पिता, धन तथा स्वयं के लिये अनिष्टप्रद होता है, अत: इस अरिष्ट निवारण के लिये लगभग 27 दिन बाद उसी नक्षत्र काल में योग्य ब्राह्मण के द्वारा गण्डमूल शान्ति करानी चाहिये।

छ: नक्षत्र हैं मूल के मूल मघा और रेव। अश्विनी आश्लेषा सहित ज्येष्ठा को कह देव॥

गण्डमूल नक्षत्र : (1) अश्विनी (2) अश्लेषा (3) मघा (4) ज्येष्ठा (5) मूल (6) रेवती

गण्डमूल नक्षत्रों के पद (चरण) फल-

नक्षत्र चरण	अश्विनी	अश्लेषा	मघा	ज्येष्ठा	मूल	रेवती
1	पितृकष्ट	शान्ति करने से सुख	मातृकष्ट	बड़े भाई को कष्ट	पितृकष्ट	धनप्राप्ति
2	सुख	धनहानि	पितृकष्ट	छोटे भाई को कष्ट	मातृकष्ट	मन्त्रीतुल्यमान
3	मन्त्री तुल्यमान	मातृकष्ट	सुख	मातृकष्ट	धनहानि	सुख
4	राजा तुल्यमान	पितृकष्ट	धनविद्या लाभ	स्वयं को कष्ट	शान्ति	अनेक कष्ट

मूल तथा गण्डमूल नक्षत्रों का प्रारम्भ एवं समाप्ति काल

सन् 2024 ई.

ता.	मास	घं. मि.	से	ता. मा	घं.मि.	तक
8	अप्रैल	10:12	से	9 अप्रैल	29:05	तक
16	अप्रैल	29:15	से	18 अप्रैल	7:56	तक
26	अप्रैल	27:39	से	28 अप्रैल	28:48	तक
5	मई	19:56	से	7 मई	15:31	तक
14	मई	13:04	से	16 मई	18:13	तक
24	मई	10:09	से	26 मई	10:35	तक
1	जून	27:15	से	3 जून	24:04	तक
10	जून	21:39	से	12 जून	26:11	तक
20	जून	18:09	से	22 जून	17:53	तक
29	जून	8:48	से	1 जुलाई	29:26	तक
8	जुलाई	06:02	से	10 जुलाई	10:14	तक
17	जुलाई	27:12	से	19 जुलाई	26:54	तक
26	जुलाई	14:29	से	28 जुलाई	11:47	तक
4	अगस्त	13:25	से	6 अगस्त	17:43	तक
14	अगस्त	12:12	से	16 अगस्त	12:43	तक
22	अगस्त	22:05	से	24 अगस्त	18:05	तक
31	अगस्त	19:39	से	2 सित.	24:19	तक
10	सित.	20:03	से	12 सित.	21:52	तक
19	सित.	8:03	से	20 सित.	26:42	तक
27	सित.	25:20	से	30 सित.	6:18	तक
7	अक्टू.	26:24	से	9 अक्टू.	29:14	तक
16	अक्टू.	19:17	से	18 अक्टू.	13:25	तक
25	अक्टू.	7:39	से	27 अक्टू.	12:23	तक
4	नव.	8:03	से	6 नव.	10:59	तक
12	नव.	29:39	से	14 नव.	24:32	तक
21	नव.	15:54	से	23 नव.	19:26	तक
1	दिस.	14:23	से	3 दिस.	16:41	तक
10	दिस.	13:29	से	12 दिस.	09:52	तक
18	दिस.	24:57	से	20 दिस.	27:46	तक

सन् 2025 ई.

ता.	मास	घं. मि.	से	ता. मा	घं. मि.	तक
6	जन.	19:05	से	8 जन.	16:29	तक
15	जन.	10:27	से	17 जन.	12:44	तक
24	जन.	31:07	से	27 जन.	09:01	तक
2	फर.	24:51	से	4 फर.	21:49	तक
11	फर.	18:33	से	13 फर.	21:06	तक
21	फर.	15:53	से	23 फर.	18:42	तक
2	मार्च	08:58	से	3 मार्च	28:29	तक
10	मार्च	24:50	से	12 मार्च	28:05	तक
20	मार्च	23:31	से	22 मार्च	27:23	तक
29	मार्च	19:26	से	29 मार्च	16:34	तक

पंचक प्रारम्भ व समाप्ति काल

सन् 2024 ई.

5	अप्रैल	07:09	से	9 अप्रैल	07:31	तक
2	मई	14:29	से	6 मई	17:42	तक
29	मई	20:03	से	2 जून	25:39	तक
25	जून	25:48	से	30 जून	07:33	तक
23	जुलाई	09:18	से	27जुलाई	12:59	तक
19	अगस्त	18:56	से	23 अग.	19:53	तक
15	सित.	29:40	से	19 सित.	29:14	तक
13	अक्टू.	15:39	से	17 अक्टू.	16:19	तक
09	नव.	23:23	से	13 नव.	27:10	तक
06	दिस.	29:03	से	11 दिस.	11:47	तक

सन् 2025 ई.

3	जन.	10:45	से	7 जन.	17:49	तक
30	जन.	18:32	से	3 फर.	23:16	तक
26	फर.	28:32	से	2 मार्च	30:38	तक
26	मार्च	15:08	से	30 मार्च	16:34	तक

विविध मुहूर्त्त

बही खाता मुहूर्त्त

तिथि : 1(कृ.) 2,3,5,7,8,10,12,13,15,(शुक्ल)
वार : सू.चं., बुध, गुरू, शुक्र
नक्षत्र : अश्वि., रो.मृ.पुन.पु. उत्तरा 3, चि., अनु.श्र., ध.रे.
लग्न : 1,6,4,7,9,10 ।

आपरेशन कराने का मुहूर्त्त

तिथि : 2,3,4,5,7,8,9,10,12,14,15
वार : सूर्य, मंगल, गुरू
नक्षत्र : अ., मृ., पु., ह., स्वा., अनु., ज्ये., श्र., रिक्ता तिथि 4,9,14 आपरेशन के लिये सर्वश्रेष्ठ तिथि हैं ।

नौकरी करने का मुहूर्त्त

तिथि : 2,3,5,7,10,13,15
वार : बुध, गुरू, शुक्र
नक्षत्र : अ., मृग. पु., चि.अनु.रे. ।

अभिजित मुहूर्त्त

बुधवार को छोड़कर बाकी सभी दिन 11:30 पर अभिजित मुहूर्त्त आता है, ये सभी कार्यों में विजय प्रदान करने वाला है ।

मशीनरी चालू करने का मुहूर्त्त

तिथि : 2,3,4,5,6,9,10,11,12,13, 14,15 शुभ
वार : सूर्य, शनि, गुरू, शुक्र
नक्षत्र : अ., ह., चि., अनु., पु., ध., ज्ये., पुन., रे., लग्न, स्थिर ।

गाड़ी (वाहन) खरीदने के मुहूर्त्त

(खरीदने के शुभ नक्षत्र) पुनर्वसु, पुष्य, अश्विनी, हस्त, ज्येष्ठा, मृग, चित्रा, अनुराधा, रेवती, सोमवार, बुधवार, शुक्रवार, गुरूवार तिथि 5,10,15,3,8,13 इस तिथि, वार नक्षत्र में गाड़ी खरीदनी चाहिये ।

दुकान करने का मुहूर्त्त

तिथि : 1,2,3,4,5,6,7,8,10,11,13,15
वार : रवि, सोम, बुध, गुरू, शुक्र, शनि
नक्षत्र : मृग., रेवती, चित्रा, अनु., हस्त, तीनों उत्तरा, अश्विनी, पुष्य ।

वरवरण मुहूर्त्त नक्षत्र (सगाई)

नक्षत्र : उत्तरा 3, रोहिणी, अनुराधा, मृगशिरा, मूल, रेवती, हस्त, मघा, स्वाती, कृत्तिका, पूर्वा, 3 इन नक्षत्रों में अच्छा चन्द्रमा देखकर सगाई (टीका) कर लेना चाहिये।

कार्य सिद्धि हेतु मुहूर्त्त

तिथि : 2,3,5,10,13 (कृ.)
वार : सूर्य, चन्द्र, गुरू, शुक्र
नक्षत्र : अश्वि., रो., मृ.पुन. उत्तरा 3, श्र., ध., श., रे. ।

विवाह रवि चन्द्र गुरु शुद्धि चक्रम्

शुद्ध	पूज्य	अशुद्ध (नेष्ट)
सूर्य 3,6,10,11	1,2,5,7,9	4,8,12
गुरु 2,5,9,11,7	1,3,6,10	4,8,12
चन्द्र 3,6,7,10,11	1,2,5,9	12,4,8

जल या कूप (कुआँ) पूजन

मृग, मूल, पुन, पुष्य, श्रवण, हस्त, नक्षत्र एवं बुध- गुरुवार सोम के दिन जल या कुम्भ पूजन शुभ होता है ।

नोट : कृष्ण पक्ष में 12 वाँ चन्द्र पुरुषों के लिए ग्राह्य है, उच्च, मित्र, स्वग्रही गुरु - 4, 8, 12वाँ भी ग्राह्य माना गया है।

विवाह नक्षत्र : रोहिणी, तीनों उत्तरा, रेवती, मूल, स्वाती, मृगशिरा, मघा, अनुराधा, हस्त ये ग्यारह नक्षत्र विवाह के हैं।

अभिजित मुहूर्त्त : दिनमान के 15 भाग करने पर आठवां भाग अभिजित मुहूर्त्त कहलाता है। इसमें अनेक दोष निवारण की शक्ति है। अत: कोई शुभ लग्न मुहूर्त्त न मिलने पर (अत्यावश्यक में) जातकादि सभी शुभकार्य अभितिज मुहूर्त्त में किये जा सकते हैं। परन्तु बुधवार में अभिजित मुहूर्त्त नहीं होता है। भगवान श्रीरामजी का जन्मोत्सव इसी बेला में मनाया जाता है।

भद्रा वास : 1,2,3 और 8 राशि में चन्द्रमा हो तो भद्रावास स्वर्ग में होता है, ऐसे ही 4, 5, 11, 12 राशिस्थ चन्द्रमा में पृथ्वीलोक में विचरण करती है। और 6,7,9 एवं 10 वें चन्द्र में भद्रा पाताल वासिनी कही गई है। जहाँ रहती है वहीं फल है। भूलोकस्था सदात्याज्या स्वर्ग-पातालगा शुभा। भद्रा दिन में तिथि के उत्तरार्ध की और रात्रि में पूर्वार्ध की शुभ होती है।

विविध मुहूर्त्त

गृहारम्भ मुहूर्त्त

मास : वैशाख, श्रावण, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ और फाल्गुन मास ही शिलान्यास के लिए शुभ माने जाते हैं ।

वार : सूर्य और मंगलवार को छोड़कर सभी

तिथि : प्रतिपदा, अमा., अष्टमी को छोड़कर सभी

देव प्रतिष्ठा मुहूर्त्त

तिथि : शुक्ल, प्रतिपदा, रिक्ता, अमा., छोड़कर शेष

वार : मंगलवार को छोड़कर शेष सभी वार

नक्षत्र : मृगशिरा, चित्रा, अनुराधा, रेवती, अश्विनी, पुष्य, हस्त अभिजित, पुनर्वसु स्वाति श्रवण धनिष्ठा, शतभिषा, रोहिणी उ.फा., उ.षा., उ.भा. ।

कर्णभेद, चूड़ाकरण, मुण्डन संस्कार

तिथि : 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार : चंद्र, बुध, गुरू, शुक्र, शुभयोग में रविवार

नक्षत्र : जन्मादिभात 12 या 16 दिन वा 6/7/8

मासेषु व विषमवर्षे शुभानि अश्वि., म.पु. पुष्य. हस्त. चि. स्वा. अनु. अभि. श्रव. ध. श. रेव. भेषुचन्द्र । अर्कबले अष्टशुभलग्ने॥ वर्ज्या : चैत्र पौष हरिशयनं जन्ममासं तथा ताराविरुद्धं च । रोगवानं मृत्युवानं हानिप्रदायिका: ॥ज्येष्ठसुते व ज्येष्ठमासे विवर्जिता:॥

चुनाव में नामांकन मुहूर्त्त

दोनों पक्ष की शुभतिथियाँ - 2, 3, 5, 7, 10, 11, 12, 13, 15 और कृष्ण पक्ष की 1 श्रेष्ठ ।

शुभ वार - रवि,सोम,बुध,गुरू,शुक्रवार ।

सूर्य की होरा - टेण्डर लेने, चुनाव नामांकन, नौकरी फार्म भरने, राजकाज का चार्ज, शपथ ग्रहण में श्रर्वश्रेष्ठ रहती है । वार चाहे जो भी हो सूर्य की होरा या राशी की होरा में सफलता सुनिश्चित है ।

शुभनक्षत्र - अश्वि., रोहिणी, मृग., आर्दा., पुनर्वसु, पुष्य, उ.फा., हस्त, स्वाती, अनु., उ.षा., श्रवण, धनिष्ठा, उ.भा. और रेवती । शुभलग्न - जिससे नवम एवं दशम भाव प्रभावशाली हों अर्थात कोई पापग्रह न हो और लग्न भी शुभ ग्रह से दृष्ट हो । राशि से चन्द्रमा शुभ स्थान पर हो । शपथग्रहण - जहाँ तक हो सके स्थिर लग्न में करनी चाहिये ।

गृहप्रवेश मुहूर्त्त

मास : वैशाख, ज्येष्ठ, माघ, फाल्गुन

वार : सोम, बुध, गुरू, शुक्र, शनि

तिथि : रिक्ता (4,14,9) अमावस्या छोड़कर

नक्षत्र : रोहिणी मृगशिरा, उ.फा.,चित्रा, अनुराधा उ.षा., उ.भा., रेवती

जातकर्म (नामकरण)

तिथि : सत्

वार : रवि, चन्द्र, बुध, गुरू, शुक्रवार

नक्षत्र : अ.रो.मृ.पु.पु.उफा.ह.चि., स्वा.अनु. उषा.श्रव.ध.श.उभा.रे. जन्मत:, 10/ 11/ 12/ 15/ 16 वें दिने या सवा महीने में ।

उपनयन संस्कार (यज्ञोपवीत)

ब्राह्मण, वैश्य और क्षत्रियों के लिये

तिथि : 2,3,5,10,11,12, वर्जित पौ 11 मा 12. आ 10 ज्ये 2

वार : सूर्य, चन्द्र, बुध, गुरू, शुक्र, रविपुष्य, गुरुपुष्यामृत शुभ ।

नक्षत्र : अ.रो.मृ.आ.पुन.पु.श्ले.पू.फा.उफा.ह.चि. स्वा.अनु.मू.पू.षा.उषा.श्र.ध.श.पू.भा. उभा. रेवतीनक्षत्रे उभयपक्षे ग्राह्य: वैशा. ज्ये. आषा. माघ. फाल्गुन मास ।

साढ़े तीन स्वयं सिद्ध मुहूर्त्त

1. चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, 2. वैशाख शुक्ल तृतीया (अक्षयतीज), 3. आश्विन शुक्ल दशमी (विजयादशमी), 4. कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा व दीपावली प्रदोषबेला चार स्वयं सिद्ध मुहूर्त्त हैं। इनमें किसी भी कार्य को करने के लिए पंचांगशुद्धि देखने की आवश्यकता नहीं है। इनमें से प्रथम तीन मुहूर्त्त पूर्ण बली तथा चौथा अर्धबली होने से इन्हें साढ़ेतीन स्वयं सिद्ध मुहूर्त्त कहते हैं।

लोकप्रसिद्ध मुहूर्त्त

आषाढ़ शुक्ल नवमी (भड्डली नवमी), कार्तिक शुक्ल एकादशी (देवउठान), माघ शुक्ल बसन्त पंचमी (श्रीसरस्वती जयन्ती), फाल्गुन शुक्ल द्वितीया (फुलेरा दौज) - ये मुहूर्त्त लोकव्यवहार में सिद्ध माने जाते हैं । कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को उत्तर वासी मान्यता नहीं देते हैं । ये प्रत्येक कर्म में बड़ी ही श्रद्धा के साथ अपनाये जाते हैं । इन्हें 'अनपूछा' मुहूर्त्त कहा जाता है ।

दिन का चौघड़िया

शुभ, चर, अमृत और लाभ के चौघड़िया का समय श्रेष्ठ या उत्तम माना गया है। इनमें प्रत्येक शुभ कार्य का शुभारम्भ कर सकते हैं।

वार	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
पहली चौघड़िया	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
दूसरी चौघड़िया	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
तीसरी चौघड़िया	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
चौथी चौघड़िया	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
पांचवी चौघड़िया	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
छठवीं चौघड़िया	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
सातवीं चौघड़िया	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
आठवीं चौघड़िया	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात्रि का चौघड़िया

उद्वेग, रोग तथा काल के चौघड़िया का समय खराब माना गया है इन चौघड़िया में शुभ और महत्त्वपूर्ण कार्य वर्जित है।

वार	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
पहली चौघड़िया	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
दूसरी चौघड़िया	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
तीसरी चौघड़िया	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
चौथी चौघड़िया	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
पांचवी चौघड़िया	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
छठवीं चौघड़िया	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
सातवीं चौघड़िया	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
आठवीं चौघड़िया		चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

चौघडिया मुहूर्त्त - एक चौघड़िया सूर्योदय तक लगभग डेढ घण्टे तक रहती है। चौघड़िया मुहूर्त्त अपना विशेष स्थान रखते हैं। जिनके स्वामी ग्रह इस प्रकार हैं। यथा- उद्वेग का रवि, चर का शुक्र, लाभ का बुध, अमृत का चन्द्र , काल का शनि, शुभ का गुरू और रोग का स्वामी भौम है। जिसका जो स्वामी है उससे सम्बन्धित धातु तथा अन्याय पदार्थ का उपयोग करने से करोबार में विशेष लाभ का अवसर रहता है यात्रा में सूक्ष्म विचार करना चाहिये। अमृत के चौघड़िया में पूर्व दिशा की यात्रा दिशाशूल सम्मुख दोषयुक्त रहेगी। क्योंकि सोम में पूर्व दिशा में दिशाशूल दोष होता है। शुभ कार्य और यात्रा के लिय कोई मुहूर्त्त न बनने पर उत्तम चौघड़िया देखकर कार्य करना चाहिये।

चौघड़िया की सटीक कालगणना के लिए साथ के पृष्ठ पर वार्षिक चौघड़िया समय सारिणी दी गई है जिसमें पहली और पन्द्रहवीं तारीख का सूर्योदय सूर्योस्त एवं पहली से लेकर आठवीं चौघड़िया का वास्तविक समय दिया है। सूर्योदय के समयानुसार चौघड़िया की काल गणना की जाती है। हर पन्द्रह दिनों में सूर्योदय काल में दो मिनट से 45 मिनट तक का अन्तर आता है। बीच की तारीख में अन्दाज से समय का हिसाब लगायें। अत: समय सारिणी के अनुसार चौघड़िया देखना श्रेयस्कर है।

वार्षिक चौघड़िया समय सारिणी

दिनांक	सूर्योदय पहली चौ प्रारम्भ	दूसरा चौघड़िया प्रारम्भ	तीसरी चौघड़िया प्रारम्भ	चौथी चौघड़िया प्रारम्भ	पाँचवीं चौघड़िया प्रारम्भ	छठी चौघड़िया प्रारम्भ	सातवीं चौघड़िया प्रारम्भ	आठवीं चौघड़िया प्रारम्भ	सूर्यास्त आठवीं चौ. समाप्त
01 जन.	07/13	08/30	09/47	11/05	12/22	13/39	14/57	16/ 14	17/32
15 जन.	07/15	08/33	09/52	11/10	12/29	13/47	15/06	16/24	17/42
01 फर.	07/09	08/29	09/52	11/10	12/31	13/52	15/12	16/33	17/56
15 फर.	07/00	08/23	09/46	11/10	12/33	13/56	15/20	16/43	18/07
01 मार्च	06/48	08/12	09/38	11/04	12/31	13/57	15/23	16/49	18/16
15 मार्च	06/33	08/02	09/31	11/00	12/30	13/57	15/26	16/57	18/24
01 अप्रैल	06/14	07/46	09/18	10/50	12/23	13/55	15/27	16/59	18/32
15 अप्रैल	05/59	07/34	09/09	10/44	12/20	13/54	15/29	17/04	18/39
01 मई	05/45	07/22	09/00	10/38	12/16	13/54	15/32	17/10	18/48
15 मई	05/35	07/15	08/55	10/35	12/16	13/56	15/36	17/16	18/56
01 जून	05/29	07/11	08/53	10/35	12/17	13/59	15/41	17/23	19/05
15 जून	05/28	07/10	08/53	10/36	12/19	14/02	15/45	17/28	19/11
01 जुलाई	05/32	07/14	08/57	10/40	12/23	14/05	15/48	17/30	19/14
15 जुलाई	05/38	07/19	09/01	10/43	12/25	14/06	15/48	17/30	19/12
01 अगस्त	05/47	07/26	09/06	10/45	12/25	14/05	15/45	17/25	19/04
15 अगस्त	05/54	07/31	09/09	10/46	12/24	14/01	15/39	17/16	18/54
01 सित.	06/02	07/36	09/11	10/45	12/20	13/54	15/29	17/03	18/37
15 सित.	06/08	07/39	09/11	10/42	12/14	13/46	15/17	16/49	18/21
01 अक्टू.	06/15	07/43	09/12	10/40	12/09	13/37	15/06	16/34	18/03
15 अक्टू.	06/23	07/48	09/14	10/39	12/05	13/30	14/56	16/21	17/48
01 नव.	06/33	07/55	09/17	10/40	12/02	13/24	14/47	16/09	17/32
15 नव.	06/43	08/03	09/24	10/44	12/04	13/24	14/44	16/04	17/24
01 दिस.	06/56	08/14	09/32	10/50	12/08	13/26	14/44	16/02	17/21
15 दिस.	07/06	08/23	09/40	10/57	12/14	13/31	14/48	16/05	17/23

राहु काल

राहु काल दिन का एक ऐसा समय है जब राहु अपने पूर्ण प्रभाव में रहता है और इस मध्य यदि कोई भी शुभ कार्य किया जाये तो उसकी सफलता में संदेह रहता है। राहु को शुभकार्यों में बाधा डालने वाला ग्रह माना जाता है। राहु काल का निर्धारण प्रतिदिन सूर्योदय के समयानुसार किया जाता है। प्रस्तुत तालिका में प्रत्येक माह की पहली तारीख के सूर्योदय के समयानुसार राहु काल का आँकलन दिया गया है। माह की 15 तारीख आते-आते राहु काल गणना में 10 मिनट तक का अन्तर आ सकता है।

वार	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
रविवार	16:16 - 17:33	16.35 - 17.55	16.49 - 18.15	17.01 - 18.38
सोमवार	08:32 - 9.49	08.30 - 09.51	08.13 - 09.39	07.41 - 09.15
मंगलवार	15:00 - 16.17	15.15 - 16.36	15.15 - 16.36	15.28 - 17.02
बुधवार	12.25 - 13.43	12.33 - 13.54	12.33 - 13.54	12.23 - 13.55
गुरूवार	13.39 - 14.57	13.54 - 15.16	13.54 - 15.16	13.55 - 15.28
शुक्रवार	11.05 - 12.23	11.11 - 12.33	11.11 - 12.33	10.50 - 12.22
शनिवार	09.48 - 11.06	09.50 - 11.11	09.50 - 11.11	09.16 - 10.49

वार	मई	जून	जुलाई	अगस्त
रविवार	17.11 - 18.49	17.26 - 19.08	17.31 - 19.14	17.24 - 19.03
सोमवार	07.20 - 08.59	07.10 - 08.52	07.15 - 08.58	07.26 - 09.06
मंगलवार	15.33 - 17.12	15.41 - 17.24	15.49 - 17.31	15.43 - 17.23
बुधवार	12.16 - 13.54	12.17 - 13.59	12.22 - 14.05	12.25 - 14.04
गुरूवार	13.54 - 15.34	14.00 - 15.42	14.06 - 15.48	14.04 - 15.43
शुक्रवार	10.38 - 12.16	10.35 - 12.17	10.40 - 12.23	10.45 - 12.24
शनिवार	08.59 - 10.38	08.52 - 10.35	08.57 - 10.40	09.05 - 10.45

वार	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
रविवार	16.57 - 18.31	16.31 - 17.58	16.09 - 17.31	16.02 - 17.20
सोमवार	07.37 - 09.10	07.44 - 09.12	07.56 - 09.18	08.18 - 09.35
मंगलवार	15.27 - 17.02	15.01 - 16.29	14.46 - 16.08	14.44 - 16.01
बुधवार	12.18 - 13.52	12.06 - 13.34	12.02 - 13.24	13.26 - 13.44
गुरूवार	13.52 - 15.26	13.37 - 15.05	13.24 - 14.45	10.51 - 12.09
शुक्रवार	10.44 - 12.18	10.40 - 12.08	10.41 - 12.02	10.45 - 12.24
शनिवार	09.10 - 10.44	09.12 - 10.40	09.20 - 10.41	09.34 - 10.51